तीसरा निर्गमन

सारी बाते सम्भव है, केवल विश्वास।

आइये हम अपने सिरों को प्रार्थना के लिए झुकाए। अपने झुके हुए सिरों के साथ, मुझे सन्देह हैं यदि कोई विशेष निवेदन जो परमेश्वर के सामने बताना चाहेंगे, बस हाथ उठाए और थोड़ा अपने हाथों के नीचे, बस अपना निवेदन थामे रहे।

2 स्वर्गीय पिता, इसके लिए हम आभारी है, दूसरी बार हम यहां पर जमा हुए हैं. अनंतता के इस ओर। और हम इस प्रात: प्रतीक्षा कर रहे हैं कि सामर्थ फिर से जो आपकी ओर से आती है आये, कि हमे साहस दे, उस सामने आने वाली यात्रा के लिए। हम यहां इब्रानी बालकों के समान एकत्र हैं, जो भोर को हुए कि मन्ना पाए जो उन्हें रात्रि पश्चात दिया जाता था, कि आने वाले दिन में जीवित रहे, हम आत्मिक मन्ना के लिए एकत्र है, इस प्रात: कि हमें यात्रा के लिए शक्ति दे।

3 उन प्रत्येक हाथों के नीचे जो उठे हैं, आप जानते हैं कि उनकी क्या आवश्यकता है, प्रभु। और मैं अपनी प्रार्थना करता हूं उनके साथ आपके सामने, कि आप हमें हमारी हर आवश्यकता को प्रदान करेंगे जिसकी उनको आवश्यकता है। बीमारो को और अपाहिजो को चंगा करें, प्रभु। हम जानते हैं कि आप परमेश्वर है, और सारी चीजें कर सकते हैं और इन्हें करने कि प्रतिज्ञा दी है यदि हम वैसा कर सके जैसा गाने ने हमें आदेश किया *केवल विश्वास* और जैसा कि हमने महिमा वाले शब्द सुने हैं, *राजा के साथ चलते और बात करते हैं*।

4 अब पिता, परमेश्वर अपने वचन को आशीषित करें जैसा कि यह आज सुबह आगे बढ़ता है, और होने पाए ये हमारे हृदयो में विश्राम स्थल पाये, कि यह उन चीजों को लेकर आये, जिन्हें हमने मांगा है, पिता प्रभु यीशु के नाम में हम यह मांगते हैं। आमीन।

बैठ सकते हैं। धन्यवाद, बहन।

5 मैं विश्वास करता हूं ऐसा कहा गया है, "मैं आनंदित हुआ, जब उन्होंने मुझसे कहा 'आओ हम प्रभु के भवन को चले।'"

6 कल हॉट स्प्रिंग छोड़ते हुए भाई मूर कह रहे थे, "भाई ब्रन्हम," बोले, "आप क्या आप नीचे टेक्सास गाड़ी से नहीं जायेंगे और मेरे साथ वहां बेदारी कि सभा में," कहा, "कुछ एक दिन विश्राम करें?"

7 मैंने कहा, "कल मेरी दो सभाये हैं।"

उसने कहा, "दो सभाये?"

मैंने कहा, "हां।"

8 कहा, "कठिन है, जैसा आपने यहां प्रचार किया," कहा, "एक व्यक्ति को प्रत्येक के बाद एक सप्ताह विश्राम करना चाहिए," कहा, "आप एक पास्टर को ले, उसे रविवार प्रातः का संदेश लेने दे और आदि–आदि," कहा, "तब वह सप्ताह भर विश्राम करता है। और तब, और हो सकता है यह तीस मिनटो का होगा या कुछ," और कहा, "आप यहां लगभग दो या तीन घंटे प्रचार करते हैं, एक बार में," कहा, "तब एक दिन के बाद दूसरे दिन और कभी–कभी एक दिन में दो बार, और फिर प्रार्थना पंक्ति चलाते हैं सारे उन विचारों को परखना," कहा, "अब आप कहते हैं आप घर जा रहे हैं, रविवार को दो सभाये लेने?"

मैंने कहा, "जी हां, श्रीमान।"

कहा, "आप यह कैसे करते हैं?"

मैंने कहा, "मेरी सहायता प्रभु की ओर से आती है।" समझे?

9 समय हो रहा है, जैसा एक ने, थोड़ी देर पहले किसी ने प्रार्थना में कहा, जैसे ही मैं अंदर आया। समय हो रहा है, और आवश्यकता बहुत अधिक है, हम यहां अपना भाग पूरा करने आये हैं, कि इस महान घड़ी में हमारी सहायता की जा सके, जिसमें हम हैं।

10 अब, यदि प्रभु ने चाहा आज रात्रि, मैं एक विषय पर बात करना चाहता हूं, "क्या आपका जीवन सुसमाचार के योग्य है?" यही, जिसे मैं टेप करना चाहता हूं।

11 और अब, मैं नहीं जानता कि वे इस सुबह टेप करने जा रहे हैं या नहीं। मैं किसी को कमरे में देखता हूं। वहां है—वहां कोई व्यक्ति वहां पर है, मैं समझता हूं वे। मैंने किया... मैंने सोचा भाई नेविल इसे करेंगे, मैंने बीते रविवार बस उनके लिए पूछा कि उनका लिया जाए... उसके संदेश के साथ आगे बढ़े और फिर आगे बढ़े, उनके पीछे से मुझे किसी चीज के साथ

आने दे। परंतु, यदि वे सन्डे स्कूल पाठ को टेप करना चाहते हैं, क्यों, यह अच्छा रहेगा।

12 और तब प्रभु ने चाहा तो अगले रविवार, जो कि यदि प्रभु ने अनुमति दी और हम यहां हैं, मैं उस विषय पर बोलना चाहता हूं जिसे कि मैं लंबे समय से चाह रहा हूं, मैंने प्रतिज्ञा की है इस प्रकार के सन्देश मैं पहले आराधनालय में बोलूंगा, वे टेप किए हुए संदेश, मैं इस पीढ़ी पर अभियोग लगाना चाहता हूं, यीशु मसीह को क्रूस चढ़ाने के लिए; अगले रविवार प्रात: प्रभु ने चाहा।

13 और अब, आज रात्रि, सात बजे या साढ़े सात संदेश है, "क्या आपका जीवन सुसमाचार के लिए सम्मान योग्य है? "

14 अब, कभी–कभी इस प्रकार के संदेशों को बोलते हुए, मैं कहता हूं यह बाते जो सुंदर कठोर काटने वाली। और वास्तव में मेरा अर्थ ठीक इस कलीसिया के लिए नहीं होता या कुछ। आपको याद है, जब मैं बोल रहा हूं, यह सारे संसार में जाता है। समझे? और हमारे पास टेप करने का साज समान है सारे संसार में और वे इन संदेशों को वहां जंगलों में ले जाते है और सब जगह। और कभी–कभी पवित्र आत्मा मुझे कुछ कहने कि अगुवाई करता है, यह वह बात हो सकती है जो वह किसी के लिए वहां चाहता है ऑस्ट्रेलिया में; कहीं ना कुछ। इसलिए हो सकता है किसी दशा में आप कहेंगे, "अच्छा अब, वह स्थिति यहां पर तो नहीं है, यहां यह क्यों कहता है? " हो सकता है, यह कहीं और के लिए हो आप देखिए। इसलिए हां, मैं निश्चित हूं आप लोग यह समझते हैं, कि यह संदेश किसी एक कि ओर संकेत नहीं करते, यह कलीसिया के लिए निर्देशित है, कुल मिला कर; हर कहीं या जो भी अगुवाई प्रभु कहने के लिए करता है और करने के लिए।

15 वहां हॉट स्प्रिंग्स में महिमामय समय रहा, और एक पुराने तरह की पेंटीकोस्टल सभा, मैं निश्चित हूं कि आप में से बहुत से संतुष्ट हुए, ये वहां पेंटीकोस्टल लोग, जब से आप—आप वहां गए। अच्छा, मैं झुंड को नहीं जानता, मुझे बस वहां एक सप्ताह के लिए जाना था और मैंने दो या तीन दिन। परंतु मैं एक बात कहना चाहता हूं, उस सभा में निश्चय ही उनमें विश्वास था कि विश्वास करें। यदि आप में से वहां कोई था...

16 जो कि मैं जानता हूं यह महिला यहां पर, वहां कोने में बैठी है, मैं नहीं जानता कि वह कौन है। या, ठीक यहां पर, मैं जानता हूं कि यह वहां पर थी। मैं न जानता हूं कुछ भाई लोग वहां पर थे, भाई जैकसन, वे, भाई पामर।

17 यही जो लोगों को मिलता है जब उनके पास विश्वास होता है। समझे? ध्यान दें वह चंगाई की पंक्ति? वहां एक भी ऐसा नहीं आया या गया सिवाए जिसे परमेश्वर ने चंगा किया। समझे? समझे? और इसलिए, जब आपके पास विश्वास है...

18 और दूसरी बात, आप में से कोई हो सकता है, जो समझ नहीं सकता कि भावुकता, नाचना, चिल्लाना। अच्छा, वे बस... वे किसी व्यक्ति विशेष को नहीं देख रहे हैं, वे बस चिल्ला रहे हैं परमेश्वर के सामने। समझे? यह ठीक बात है।

19 परंतु मैं कहना चाहता हूं, उनमें से एक—एक उनमें से सबसे शुद्ध दिखाई देने वाली महिलाओं का झुंड, जो मैंने कभी देखा वे लंबे बाल, और—और लोग वहां पीछे जंगल से पीछे झाड़ियों में। परंतु मैं विश्वास नहीं करता, मैंने किसी को जो आसपास आधुनिक से दिखने वाले हो देखा हो, आप जानते हैं, मेरा क्या अर्थ है, सब प्रकार के श्रृंगार के साथ और चीजें पहने हुए। ये दर्शाता है। मैं उनके साथ सहमत नहीं हो सकता, जो वे सिखाते हैं, परंतु मैं निश्चय ही वहां सहमत हो सकता हूं। वे मुझे मसीहो के समान दिखाई पड़ते हैं।

20 इसलिए प्रभु ने मेरी अगुवाई कि कि मैं विषय पर बोलूं बीते कल दोपहर में; *प्रभु एक बार और*। और कलीसिया में उनमें से कुछ नहीं जानते, यह मैंने एक उद्देश्य के लिए किया, क्योंकि प्रभु ने मुझे करने की अगुवाई की। वह छोटा झुंड किसी चीज में भटक रहा था, और इसके लिए प्रभु ने सहायता की इसे—इसे करूं। इसलिए यह शानदार था, मैं निश्चय ही...

21 आप जानते हैं चीजें बढ़ती जाती है, यदि आपके पास आत्मिक आंख नहीं है, आपको नहीं मिलता। समझे? आपको सामने देखना ही है, उन चीजों को।

22 मैं भीतर आया। और यह भाई अंग्रेज अनग्रेन यह लगभग दूसरी बार जिसे इस व्यक्ति को मैंने गाते सुना, जैसे ही मैं अंदर कमरे में आया, वह गा रहा था, *मैं चलता और मैं राजा के साथ बात करता*। मैंने सोचा, "क्या

यह सुंदर नहीं है!" कैसे कभी वह राजा... समझे? चल रहा और बातें कर रहा है कि जिसका अर्थ यह निरंतर संगति है। ना कि केवल कलीसिया में, परंतु, हर कहीं, चलते और राजा से बात करते।

23 और वहां, दीवार पर देखते, और वहां छोटे चित्र पर काई चिपका हुआ एक प्रकार के दृश्य का वह व्यक्ति जिसका नाम जॉर्ज टोड जिसने मेरे लिए रंगा है। मैं नहीं जानता, क्यों व्यक्ति ने यह कभी किया, संभवत हो सकता, उसने नहीं सोचा और उसने इसे रंग दिया, और यह एक पीछे जंगल में एक पहाड़ का चित्र और—और सोता नीचे बह रहा है। और सोते के दूसरी ओर, एक हिरन और उसका बच्चा खड़े हैं उनके कान ऊपर को, सोते के पार देख रहे हैं। मैं नहीं जानता कि श्री टोड यहां पर है कि नहीं। मैं उसे नहीं जानता। परंतु मैं यह कहना चाहता हूं, प्रभु मुझ से बोला, जब मैंने उस चित्र को देखा। और संभव है उसे नहीं मालूम, जब वह इसे रंग रहा था।

24 मेरे छोटी कहानी याद है, उस हिरण और वह व्यक्ति जो उसे मारने जा रहा था, और उसकी आवाज? भाई, वह वहां अपने बच्चे के साथ थी, इस प्रकार जीवन के जल के साथ। देखिए? प्रेरणा किस प्रकार वह मां हिरनी और उसका बच्चा वहां पर थे, और मैंने सोचा, "हां और दूसरी ओर, जहां यह मोर पंखी वृक्षों के साथ, मेरे पास भी एक—एक मां और बालक वहां पर है, जो वहां प्रतीक्षा कर रहे हैं।"

25 धन्यवाद भाई, जॉर्ज टोड, यदि वह व्यक्ति इस सुबह यहां पर है।

26 अब, मैं संडे स्कूल का पाठ लूंगा, मैं अक्सर इस में देर तक रहता हूं।

27 वहां कुछ है जो मेरी ह्रदय पर हलचल करता है। मैं नहीं जानता बीते कल से। अब हम... यदि प्रभु... एक एक विषय है मैं बूढ़ा हो रहा हूं, और मैं—मैं नहीं जानता कितने समय और यहां पर हूं। परंतु यहां कलीसिया में एक बड़ा प्रश्न है, जिस पर लोगों में मतभेद है और भिन्न विचार है।

28 जैसा कि "सेब" के खाने पर। और मैंने संदेश पर प्रचार किया और मैं विश्वास करता हूं दृढ़ता में वचनों से प्रमाणित कर सकता हूं कि वह सेब नहीं था। समझे? भ्रम का कारण हुआ।

29 इसलिए संभव है इसके पहले हम छोड़े... हमें वापस जाना पड़ेगा तीस दिनों पीछे आप जानते हैं, वापस एरीजोना को। और इस प्रकार यदि इसके पहले मैं छोड़ प्रभु ने चाहा, मैं वचन को लेना चाहूंगा। और इसे टेप ना करें। यदि वे करते हैं टेप को ना बेचे। इसे बाहर ना जाने दे। मैं विवाह और तलाक

का वास्तविक सत्य को समझा देना चाहता हूं, यह एक प्रश्न है, और यह अंतिम घड़ी है कि, "जब परमेश्वर के सारे भेद समाप्त हो जाने चाहिए।" और बीते कल पहाड़ों में से आते हुए, दिन के लगभग, प्रतीत हुआ कि पवित्र आत्मा मुझसे कहता है, "इसे टेप कर और अलग रख दे।" मैं नहीं जानता क्यों, परंतु, "विवाह और तलाक का वास्तविक सत्य।"

30 उनमें से कुछ कहते हैं, "लोग विवाह कर सकते हैं, यदि वे शपथ ले सकते हैं कि वे व्यभिचार में थे।" और दूसरे कहते हैं, "भाई, यदि वे एक दूसरे से दुर्व्यवहार करते हैं, और—और वे एक साथ नहीं रह सकते, यह अच्छा है कि वे शांति से पृथ्वी पर रहे बजाये पृथ्वी पर नर्क में रहे।" और वे सारे विभिन्न प्रश्न! और कुछ उनका विवाह पुराने ढंग से करते हैं, और कुछ उन पर पवित्र जल छिडकते हैं, और उन्हें वापस कर देते हैं और कहते हैं, "उनका कभी विवाह नहीं हुआ था।" और उन्हें आशीषित करते हैं, और उन्हें फिर से कलीसिया में वापस भेजते हैं। सब प्रकार का गड़बड़। परंतु यदि इतनी गड़बड़ी है, तो कहीं तो सत्य है।

31 मैं विश्वास करता और आदर के साथ यह कहता हूं, मैं विश्वास करता हूं कि प्रभु ने मुझ पर प्रगट किया है, और मैं... सत्य और यदि यह कलीसियाओ के बीच में जाएगा, यह चीजों के टुकड़े कर देगा, संभव हो जो होना चाहिए। परंतु ये... मैं चाहूंगा कि बल्कि पास्टर को भाई जरा कलीसिया के पास्टरो को होने दो टेप ले। और उन्हें बजाने दे और तब वे वहां से अगुवाई कर सकते हैं। परंतु मैं इसे टेप करना चाहूंगा कि वास्तविक सच्चाई को दिखा सकूं, मैं विश्वास करता हूं इस घड़ी में जब ये "भेद समाप्त होने हैं," पूरे हो गए। वे जैसा हमने कहा युगों से होते हुए वे प्रहार करते रहे, टेपो के, जैसा कि हम उन *सात मोहरों और सात कलीसियायी कालो* को लाए।

32 और अब *सात तुरहियो* के समय के लिए सामना कर रहे हैं और फिर *कटोरे।* और हो सकते हैं हम दो सप्ताहो की सभा रखें और उन दोनों को साथ रखें। मैं इसे टेप करवाना चाहूंगा।

33 और तब इसे छोड़, मैं यत्न कर रहा हूं कि इसका शोधन करूं और इससे *कलीसिया काल* की पुस्तक बनाऊं; कलीसिया युग की सात पुस्तकें, सात टेप और इस प्रकार बनाएं, हम इसे बहुत सस्ते में कर सकते हैं जितना संभव हम कर सकते हैं ताकि हर कोई इसे पा सके। तब, यदि प्रभु देरी करता है, और मैं आगे बढ़ जाता हूं, आप देखेंगे वे बातें जो मैंने प्रभु के

नाम में होकर कहीं है घटित होगी जैसा कि यह कहा कहा गया। कभी भी असफल नहीं हुआ, फिर भी, और कुछ बाद में घटित होगी।

34 और मैं—मैं विश्वास करता हूं कि प्रभु हमें यह सही प्रकार से करने दे देगा, एक समय हम लोगों को सूचित कर देंगे, क्योंकि बहुत से है, जो यहां आकर और उन बातों को सुनना चाहते हैं। और मैं—और मैं इसकी सरहाना करता हूं।

35 यदि इसका कोई विश्वास नहीं करता या इसे सुनता, तो मुझे इससे क्या लाभ, यहां खड़ा होकर, इस विषय में कुछ कहूं? समझे? यह तो पानी पर रोटी डालने के समान है। यह इस प्रकार होगा... यदि कोई भी इसका विश्वास नहीं करने जा रहा है तो यह ऐसा होगा कि सूअरों के सामने मोती डालना, परंतु वहां हजार गुना हजारों जो इसका विश्वास करते हैं। समझे? और वे हर वचन को थामें रहते हैं। और हम अधिक से अधिक जितना संभव है लेंगे, जब हम—जब हम सभाओं के लिए तैयार होते हैं और प्रभु की महिमा के लिए। और हम विश्वास करते हैं कि परमेश्वर हमें ये देगा।

36 और मैं इसे तब तक नहीं लेना चाहता, जब तक मुझे दिलता से इसे करने के लिए प्रेरित ना होऊं। परमेश्वर के पास हर चीज के लिए समय है। समझे? आपको उससे आगे नहीं बढ़ना चाहिए यदि आप अपना गेहूं पहले काट लेंगे... और वे इसे मशीन में पकने से पहले डाल देंगे तो आप अपने गेहूं का बढ़ा भाग खो देंगे। समझे? इसलिए जब हंसिया लगने के लिए तैयार हो, परमेश्वर इसे लगाएगा, तब हम काटने को तैयार होंगे। परंतु मैं केवल...

37 जब मुझे इसका दबाव अनुभव होगा इस प्रकार, मैंने सोचा मैं इससे बाहर आ जाऊंगा थोड़ी देर में, कल सारे बीते समय, मैं इसे अपने मस्तिष्क से हटा नहीं सका, सारी रात बीती। रात लगभग बारह बजे पलंग पर गया, लगभग तीन घंटे की नींद ली इस रात से पहली रात और बीती रात, मैं सो नहीं पाया, अब भी कुछ कहा, "इसे टेप करें, *विवाह और तलाक*।" समझे? इसलिए मैं—मैं, प्रभु ने चाहा, यदि यह मेरे हृदय पर बना रहा और प्रभु इस विषय में मुझे कुछ और दिखाएगा, तब मैं करूंगा... मैं इसे टेप कर सकता हूं। समझे?

38 परंतु स्मरण रखें केवल सेवकों के लिए। आप आये और केवल सुने। परंतु स्वयं से टेप करें, होने दे... देखिए क्योंकि यह मंडलियों के बीच में चला जाएगा और कुछ *इस* प्रकार से और कुछ *उस* प्रकार से और अपना विचार बनाते हैं। और मैं चाहता हूं सेवक भाई इसे अपने अध्यन में ले और इसे वहां से आगे जाने दे क्योंकि वे ही है जो उत्तरदाई है। वही है। जैसे कि जाकर और न्यायी से खेल करें इन में से कुछ अनुरक्षक। जी हां।

39 देखिए, प्रभु, *विवाह और तलाक* के विषय में क्या कहता, जैसा लोग सोचते हैं, उससे यह अधिक यह पवित्र है। और यह ठीक *सर्प वंश* के साथ मेल खाता है। वही बात है, बस आगे बढ़ रहा हैं, ये वही भेद है। स्मरण रखे, "सातवे दूत के दिनों में, परमेश्वर के सारे भेद खुल जाएंगे," वे भेदभरी बातें जिसे प्रभु ने बंद रखा। अब जहां तक...

40 अब स्मरण रखें साढ़े सात जब आप अपनी सभा आरंभ करते हैं [भाई नेविल कहते हैं, "जी हां।"—सम्पा।] अब, भाई नेविल, यदि आज रात्रि आपके पास संदेश है, उसे प्रचार करें। देखिए? ["नहीं श्रीमान।"] यह मुझे लगभग एक घंटा या पैतालिस मिनट नहीं लेगा और बाकी को मैं टेप करूंगा।

41 मैं भाई नेविल को सुनना पता पसंद करता हूं, मैं उनसे प्रेम करता हूं वह मेरा भाई है। और मैं—मैं सोचता हूं वह शानदार वक्ता है, बढ़िया सेवक। और मैं... भाई नेविल के विषय में एक बात, मैं पसंद करता हूं, जब वह कुछ कहते हैं, तो वह कहते हैं उसे जीते हैं। अब, ये—ये विशेष बात है।

42 आप जानते हैं, आप व्यक्ति के लिए एक अच्छा उपदेश जी सकते हैं बजाये कि उसे एक प्रचार करें। "क्योंकि तुम अपने में एक लिखित पत्री हो, सब मनुष्यो के द्वारा पढ़े जाते हो।" अब, आइए इसके पहले हम...

43 हम पन्नों को वापस पलटे, परंतु परमेश्वर को यह संडे स्कूल पाठ आरंभ करना है, इसलिए आइए उससे मांगे कि यह करें।

44 स्वर्गीय पिता, हम—हम विश्वास के द्वारा अपने भविष्य की ओर देखते हैं। अब मैं विश्वास से देख रहा हूं किसी चीज के आगमन की ओर, प्रभु इस पृथ्वी पर, जो तेरे लोग एकत्र करने के लिए खींच रही है। जब हम नामधारियो कलीसियाओ को देखते हैं, इतने नीचे जा रहे हैं और भिन्नता में जा रहे हैं, यह वास्तव में लोगों को बाहर कर रहे हैं, जैसा कि यह मिस्र में था, एक फिरौन उठ रहा जो युसूफ को नहीं जानता।

45 जैसा यह जर्मनी में था, और—और रूस तक और इटली लोग उठ खड़े हुए जोसफ, हिटलर और स्टलीनी, मसोलीनी जिन्होंने यहूदियों से घृणा की। उन्हें अपनी मातृभूमि में वापस जाना था। परमेश्वर, आपके पास चीजें करने के लिए मार्ग है, जो हम नहीं समझते। और आप उन्हें आगे बढ़ाते हैं। जर्मन में कोई घर नहीं, उनसे हर चीज ले ली गई, इटली रूस में भी, जाने को कोई स्थान नहीं। और उन्हें वापस उनके राष्ट्र में भेज दिया गया कि वचन पूरा हो।

46 ओह, परमेश्वर का प्रेमी हाथ! कैसे कभी कभी यह क्रूर दिखाई पड़ता है, उस मार्ग में जब लोग कष्ट उठाते, परंतु यह अब भी यहोवा का कोमल हाथ जो अपने छोटे बालकों की अगुवाई कर रहा है। प्रभु, हम आप का धन्यवाद करते हैं।

47 अब परमेश्वर मैं प्रार्थना करता हूं, जैसा कि मैं इस दिन में देखता हूं नामधारी विश्वासीयों पर दबाव डाल रहे हैं कि उन्हें बाहर कर दे यह कह रहे है, कि, "उनका नाम उनकी पुस्तक में होना चाहिए या वे नाश हो गये, किसी और झुण्ड से कोई मतलब नहीं रखो।" यह केवल यहोवा का कोमल हाथ जो उनकी अगुवाई जीवन के वृक्ष की ओर कर रहा है। परमेश्वर, मैं प्रार्थना करता हूं कि प्रत्येक मैं जानता हूं कि वे चाहेंगे। क्योंकि यह आपका वचन है और यह असफल नहीं हो सकता। और हमारी अगुवाई जीवन वृक्ष की ओर हो, ताकि हम अनंत जीवन के अधिकारी हो सके, परमेश्वर के हाथ को देखें, और विश्वास की आंखों के द्वारा, उन परछाईयों में जिनमें हम आज चल रहे हैं, उससे आगे देखें, प्रतिज्ञा के देश को देखते हैं जो सामने ही है।

48 अपने वचन को इस प्रातः आशीषित करें प्रभु ये थोड़े से पवित्र वचन और टिप्पणियों जो यहां पर लिखे हुए हैं, होने पाए पवित्र आत्मा अब यहां पर आये, जैसा कि मैं अपने आप को समर्पित करता हूं अपनी जुबान और विचार, मस्तिष्क का खतना। और कलीसिया अपने कानो को समर्पित करें जो समझने वाले हैं, अपने ह्रदय और हम सब मिलकर कि आप हमसे अपने वचन में होकर बोलेंगे, क्योंकि आपका वचन सत्य है। वचन के नाम में, यीशु मसीह, हम मांगते हैं। आमीन।

49 अब अपनी बाइबलो मे निकाले निर्गमन की पुस्तक को। और अब मैं पढ़ना चाहता हूं निर्गमन तीसरा अध्याय के वचन का वचन का एक भाग,

एक से बारह जरा ध्यान से सुने, जैसा कि हम निर्गमन तीसरा अध्याय 1 से 12।

मूसा अपने ससुर यित्रो नामक मिद्यान के याजक की भीड़ *बकरियों को चराता था; और वह उन्हें जंगल की पश्चिमी और होरेब नामक परमेश्वर के पर्वत के पास ले गया।*

और परमेश्वर *के दूत ने एक कटीली झाडी के बीच आग की लौ में उसका दर्शन दिया... और... उसने दृष्टि उठाकर देखा कि झाड़ी* जल *रही है, पर भस्म नहीं होती।*

तब मूसा ने कहा, मैं उधर जाकर इस बड़े आश्चर्य को देखुंगा कि *वह झाड़ी... क्यों नहीं जल जाती।*

तब यहोवा ने देखा कि मूसा देखने को मुड़ा चला आता है...

50 इस पर जोर देना चाहता हूँ!

जब यहोवा ने देखा कि मूसा देखने को मुड़ा चला आता है तब परमेश्वर ने उसे झाड़ी के बीच से उसको पुकारा, हे मूसा, हे मूसा! मूसा ने कहा, क्या आज्ञा।

उसने कहा, इधर पास मत आ: और *अपने पांव से जूतियां को उतार दे, क्योंकि जिस स्थान पर तू खड़ा है, वह पवित्र भूमि है।*

फिर उसने कहा, मैं तेरे पिता का परमेश्वर, और अब्राहम का परमेश्वर, इसहाक का परमेश्वर, और याकूब का परमेश्वर हूँ, तब मूसा ने जो परमेश्वर की ओर देखने से डरता था, अपना मुंह ढाँप लिया।

फिर यहोवा ने कहा, मैंने अपनी प्रजा के लोग जो मिस्र में है... उनके दु:ख को निश्चय देखा है; और उनकी जो चिल्लाहट परिश्रम कराने वालों के कारण होती है, उसको भी मैं ने सुना है, और उनकी पीड़ा पर मैंने चित्त लगाया है;

इसलिए अब मैं उतर आया हूं कि उन्हें मिस्त्रियो *के वश से छुड़ाऊँ, और उस देश से निकाल कर एक अच्छे और बड़े... बड़े देश में, जिसमें दूध और मधु की धाराएं बहती है, अर्थात कनानी... हित्ती... एमोरी... परिज्ज़ी, हिब्बी, और यबूसी लोगों के स्थान में पहुंचाऊँ।*

इसलिए अब सुन, इस्राएलीयो की चिल्लाहट मुझे सुनाई पड़ी है, और मिस्त्रीयो का उन पर अंधेर करना भी मुझे दिखाई पड़ा है।

इसलिए आ, मैं तुझे फिरौन के पास भेजता हूं...

51 आपने ध्यान दिया? "मैं नीचे उतर आया हूं।" परंतु, "मैं तुझे भेज रहा हूं।" परमेश्वर मनुष्य के रूप में जा रहा है। "जा।" मैं 10वा पद फिर से पढ़ दू।

इसलिए आ मैं तुझे फिरौन के पास भेजता हूं कि तू मेरी इस्त्राएली प्रजा को मिस्त्र से निकाल ले आये।

परन्तु मूसा ने परमेश्वर से कहा, मैं कौन हूं जो फिरौन के पास जाऊं, और इस्त्राएलियो को मिस्त्र से निकाल ले आऊं?

उसने कहा, निश्चय मैं तेरे संग रहूंगा और इस बात का तेरा भेजने वाला मैं हूं तेरे लिए यह चिन्ह होगा; जब तू निकल चुके...

52 क्षमा चाहता हूं।

... जब तू उन लोगों को मिस्त्र से निकाल चुके, तब तुम इसी पहाड़ पर परमेश्वर की उपासना करोगे।

53 इस से पहले ध्यान नहीं दिया, परंतु इस प्रात: गहराई में आत्मा कि प्रेरणा अनुभव कर रहा हूं, मैंने इसे तब ही पकड़ा। परमेश्वर, अपने दास को वापस भेज रहा है, जहां से वह भागा था, उसने उसे पहाड़ का चिन्ह दिया। अब तक से पहले कभी भी ध्यान नहीं दिया। "यह तुम्हारे लिए अनंत चिन्ह होगा।" समझे?

54 अब इस प्रात: हम बोलने जा रहे हैं, दूसरे निर्गमन के विषय पर परमेश्वर के लोगों का या परमेश्वर के लोगों का बाहर बुलाया जाना *निर्गमन* का अर्थ "बाहर लाना; बाहर बुलाना; से ले जाना।" और मैं इसे एक विषय के समान उपयोग करना चाहता हूं; परमेश्वर के लोगों का दूसरा निर्गमन [भाई ब्रन्हम ने इसे *तीसरा निर्गमन* का शीर्षक दिया सांझ की सभा में—सम्पा।]

55 अब, उनके बहुत से निर्गमन हुए निसंदेह, परन्तु मैं उस समय पर बोल रहा हूं कि परमेश्वर ने इसे निर्गमन कहा, एक अलगाव जहां वे पहले थे, इस वर्तमान समय में। यहां, परमेश्वर तैयार हो रहा है कि अपने दिव्य प्रतिज्ञा के वचन को पूरा करें, जो उसने अब्राहम को दिया था, और इसहाक और

याकूब को। वर्षों, सैकड़ों वर्ष बीत गए थे, परंतु फिर भी परमेश्वर अपनी प्रतिज्ञा को कभी नहीं भूला। ऋतु और नियत समय, परमेश्वर सदा आपनी प्रतिज्ञा को सही रखता है।

56 इसलिए, आप निश्चित रह सकते हैं कि परमेश्वर ने जो प्रतिज्ञा दी इस बाइबल में, वह इसे करने जा रहा है। इसलिए कोई आवश्यकता नहीं कुछ और सोचने की कोशिश करें, और कहे, "भाई, भविष्यवक्ता गलत था, हो सकता है गलत था, या ये इस दिन में घटित नहीं हो सकता।" तब असंभव सा प्रतीत हुआ, आज से भी अधिक असंभव। परंतु परमेश्वर ने किया, जो भी है, क्योंकि उसने प्रतिज्ञा दी कि वह यह करेगा।

57 और देखिए ये कितनी सादगी में करता है। "मैं नीचे उतर आया हूं। मैंने चिल्लाना सुना है, मैं अपनी प्रतिज्ञा याद करता हूं। और मैं इसे करने के लिए नीचे उतर आया हूं, और मैं तुझे भेज रहा हूं। तू इसे कर। मैं तेरे साथ हूं, निश्चय मैं तेरे साथ होऊंगा, मेरा कभी नहीं कभी ना असफल होने वाली उपस्थिति तेरे साथ रहेगी जहां कहीं तू जाएगा मत डर।" समझे? "मैं छुड़ाने के लिए नीचे आ रहा हूं।" मैं निश्चित हूं कि आत्मिक विचार वाले इसे समझते हैं। समझे? समझे? "मैं—मैं—मैं तुझे भेजने वाला हूं कि मेरे लोगों को निर्गमन में लाए। उन्हें बाहर बुला। और मैं तेरे साथ होऊंगा।"

58 अब कैसे—कैसे हम विश्राम कर सकते हैं, कैसे विश्वास इसे समझ सकता है जो वहां पकड़े हुए हैं। समझे? परमेश्वर इसे करने वाला है, उसने यह प्रतिज्ञा की है। कोई मतलब नहीं, कैसे कैसी परिस्थिति है या कोई क्या कहता है परमेश्वर इसे करने जा रहा है जो भी है, क्योंकि उसने इसकी प्रतिज्ञा की है। और वह यह इतनी साधारणता में करता है, कि यह—यह सभ्य विचार वाली समझ के ऊपर से निकल जाता है, जो इस विषय में तर्क करने का यत्न करेंगे, "यह कैसे हो सकता है? "

59 मेरे कहने का अर्थ यह नहीं कि एक मनुष्य एक अच्छे मजबूत मस्तिष्क के साथ अच्छी शिक्षा, कि—कि मनुष्य यह नहीं समझेगा। यह ठीक है, और शानदार जब तक वह तर्क का प्रयोग नहीं करता, परंतु वह सभ्यता जो उसके पास है कि परमेश्वर का विश्वास करें। इसे सादगी में बदलने दे सुने कि परमेश्वर ने क्या कहा और इसका विश्वास करें तब उसकी सभ्यता उसकी सहायता करेगी।

60 ध्यान दे। परंतु जब मनुष्य तर्क का यत्न करता है, "यह नहीं किया जा सका," तब यह उसे परमेश्वर से दूर ले जाता है, निरंतर सारे समय, जब वह ये सुनने का यत्न करता है कि उसकी अपनी समझ क्या है। समझे? यदि आप नहीं समझते, और बाइबल एक निश्चित बात कहती है, तो बस "आमीन" से विराम लगाये। इसे बस वैसे ही चलने दे।

61 अब, बजाये इन विचारों का उल्लेख करने के, आप इन्हें लिख सकते हैं, इस सन्डे स्कूल के पाठ में, परंतु मैं चाहुंगा संभव है, यदि आप इसे देखना चाहेंगे। परंतु पहले, यहां मेरे पास बहुत से है। चलिए...

62 इसके पहले कि हम मालूम करें कि इस निर्गमन का क्या अर्थ है, और मैं अब निर्गमन को प्रतीक में करने जा रहा हूं... तब निर्गमन, अब निर्गमन के साथ और ध्यान दें यदि यह ठीक समानान्तर नहीं है। इन में से एक स्वाभाविक है। और बिल्कुल वही चीज जो उसने स्वाभाविक में किया, वह इसे फिर प्रतीक में कर रहा है, विपरीत आत्मिक के, एक आत्मिक निर्गमन।

63 अद्भुत, परमेश्वर के वचन को देखते हैं! कैसे कोई इस बात को कह सकता था यह प्रेरणा में नहीं? यह लगभग 2800 वर्षो पहले आप जानते हैं। और कैसे उसने यह प्रतिज्ञा की और उसने क्या किया और उदाहरण के लिए उसे वहां पर रखा, कैसे वह—वह—वह किसी चीज की छाया बनता है कि वास्तविक की गवाही दे। आज रात्रि मैं इसी को लेता हूं चांद और सूरज के बीच में प्रभु ने चाहा तो।

64 परंतु, पहले, देखने के लिए उत्पत्ती का पुनरवलोकन करें, क्यों वे वहां मिस्त्र में थे, क्यों परमेश्वर के लोग उस देश के बाहर थे? परंतु कुल मिलाकर, परमेश्वर ने यह प्रतिज्ञा दी, ठीक जहां यह आरंभ था, अब्राहम इसहाक और याकूब के साथ फिलिस्तीन में, परमेश्वर ने वह देश उन्हें दिया और कहा, "यही यह है।" ओह, फिर, वे लोग क्यों नहीं उस स्थान में थे जो परमेश्वर ने उन्हें दिया था?

65 आज का भी प्रश्न यही है, परमेश्वर ने हमें पेंटीकोस्ट दिया, उसने हमें, प्रेरितो की पुस्तक दी। वह हमें पवित्र आत्मा देता है कि हमारी अगुवाई और पथ प्रदर्शन करें, वह हमें देश देता है। और क्यों हम इस से बाहर है? क्यों कलीसिया इस से बाहर है? क्यों नहीं आज यह एक बड़ी मसीही कलीसिया नहीं है, जो प्रेरित की पुस्तक के समान फिर से जी रही, उन्ही चीजों को ला रही है? इसका कोई कारण है।

66 हम सब जानते हैं कि हम टूट गए हैं, और हम भयानक स्थिति में है। और अधिक भयानक स्थिति कि—कि मसीहत की कभी नहीं हुई जिसमें आज है। और हम... ठीक किनारे पर या किनारे के एक महान भयानक न्याय जो कलीसिया के लिए रखा है। और पहले इसके न्याय हो सके, परमेश्वर एक निर्गमन के लिए बुला रहा है, जैसा कि उसने तब किया। अमोरियो का पाप ऊपर तक था, इसलिए वह—वह बुला रहा है. एक—एक आत्मिक निर्गमन अब आइए जरा एक क्षण के लिए पीछे चले, प्रतीक में और देखें।

67 वे मिस्र में गए, कुल मिला कर कारण भाई से द्वेष, यही कारण था कि इस्राएल मिस्त्र में था उस समय, देश से बाहर। स्मरण रहे परमेश्वर की प्रतिज्ञा केवल देश में टिके रहने पर थी।

68 अब क्या आप देख सकते हैं कि हम प्रार्थना में क्या बोल रहे थे, कुछ क्षणो पहले? क्यों परमेश्वर ने फिरौन का ह्रदय कठोर कर दिया? कि लोगों को वापस प्रतिज्ञा के देश में रखें, इसके पहले कि वह उन्हें आशीषित कर सके, मसीहा को उनके पास लाए।

69 कैसे उसने हिटलर के ह्रदय को कठोर कर दिया, कि यहूदियों के विरोध में, जबकि वह स्वयं आधा यहूदी था? कैसे उसे स्टालिन में करना पड़ा मसलोनी? देखा? लोग जो प्रेरणा में नहीं हुए, एक राष्ट्र के समान वे—वे... परमेश्वर उन्हीं चीजों को लेता है, जिनके द्वारा वे जी रहे हैं, राज्य का कानून, बहुत सी बार की अपनी प्रतिज्ञा को सच्चा ठहराए। इसलिए, उसने तानाशाहो का ह्रदय कठोर कर दिया कि यहूदियों को वापस प्रतिज्ञा के देश में भगा दे। इसे इसी प्रकार से होना है।

70 अब हम पाते हैं कि नीचे जा रहा है, युसूफ... कहानी को हम जानते हैं, जैसा कि हम उत्पत्ती में वापस जाते हैं, और आप इसे पढ़ सकते हैं। क्योंकि मैंने इसे लेने में थोड़ी देर कर दी कि आरम्भ करूं इस सन्डे स्कूल के लंबे पाठ पर और मैं जल्दी करने की कोशिश करूंगा।

71 अब ध्यान दें, जब आप पढ़ सकते हैं युसूफ की कहानी को अपने सारे भाइयों के बाद जन्मा, अंतिम वाले से पहले। आत्मिक विचार इसे अभी समझ लेगा। वो अंतिम बालक नहीं था; बिन्यामिन था। परंतु इस निकाले जाने पर ध्यान दें, युसूफ और बिन्यामीन सगे भाई थे, केवल वे जो दो सगे भाई थे। बिन्यामीन को पहचाना नहीं मिली जब तक वह युसूफ से ना

मिला। और उन सब बाकी के ऊपर, बिन्यामीन को दुगना भाग मिला हर चीज का जो युसूफ देता था। ठीक है। अब ध्यान दें, हम यहां पर पाते हैं, कि वे थे...

72 वह अपने भाइयों से अलग कर दिया गया क्योंकि वह आत्मिक था। वह एक महान पुरुष था, यदापि झुंड में सबसे नम्र झुंड में सबसे छोटा। "और उन्होंने बिना कारण उससे बैर किया।" उनको उस से द्वेष नहीं रखना चाहिए था। उन्हें उसका सम्मान करना चाहिए था। क्योंकि, उन्होंने द्वेष किया, क्योंकि वह एक भाई था? ठीक यही नहीं उन्होंने उस से द्वेष किया, क्योंकि परमेश्वर ने उससे अधिक व्यवहार किया बाकियों से अधिक। समझे? उसने उसे एक—एक—एक—एक आत्मिक समझ दी। वह स्वप्नो का अर्थ बता सकता था, जो घटित होता, सिद्ध रूप में, ठीक वैसे ही जैसा वे थे। और वह—और उसने उलहाने नहीं मारे।

73 उसने उन पूलों का स्वप्न देखा उसके पूले के सामने झुक रहे थे, तब उसके भाई उससे क्रोधित हो गए। कहा, "मैं समझता हूं तब तुम पवित्र शोर करने वालों," दूसरे शब्दों में कि हमें किसी दिन तेरे सामने झुकना होगा? परंतु यह इसी प्रकार से घटित हुआ। समझे? कैसे वे बड़े लंबे चौड़े कभी इस मामूली जन के सामने जो वहां खड़ा है झुके? परंतु वे झुके, निश्चय ही उन्होंने किया और दया कि याचना की। परंतु वह अभी सामर्थ में नहीं आया था, आप देखिए। उस समय वह एक बालक के रूप में था।

74 और तब हम पाते हैं इसके करने के द्वारा, युसूफ को उसके भाइयों के बीच से अलग किया गया, नामधारियो से और अपने लिए अलग कर लिया। समझे? उसके भाई सारे राष्ट्र में। और तब वहां एक महान ऐसी बात आई हम अनुभव करते हैं कि इस्राएल... जब तक वे अपने स्थान में रहते रहे और बने रहे। अब यह एक अच्छी बात है, कि स्थान में बने रहे, स्थिति के अनुसार, यह ठीक बात है। परंतु वे आत्मा से अलग हो गए।

75 आज मूलभूत स्थिति अनुसार जानते हैं कि वे क्या है, उस बाइबल के बुद्धि के विचार से, परंतु वहां आत्मा नहीं है। उन्होंने युसूफ को अस्वीकार कर दिया, उसे छोड़ दिया, वे उससे कोई वास्ता नहीं रखना चाहते। "ये पवित्र शोर करने वालों का झुंड है। यह एक... हम उससे कोई मतलब नहीं रखना चाहते।" उन्होंने उसे निकाल दिया उसे संसार को भेच दिया वे अपनी संगति से बाहर निकल गए।

76 अब यह करने के द्वारा, वे अपने स्थान से हट रहे थे, मिस्र में जा रहे थे, बाद में।

77 अब, यह द्वेष की कहानी भाइयों कि निश्चय ही एक आत्मिक ओर की आज की तुलना है। हम—हम सब इससे परिचित है, यह शुद्ध रूप से द्वेष है शुद्ध नहीं। यह पुराना, गंदा घिनौना द्वेष। समझे? द्वेष में कोई शुद्धता नहीं। समझे? यह कुछ नहीं केवल घिनौना द्वेष है, जब वे उसी बाइबल को देखते हैं, और उसी परमेश्वर के स्वभाव को जिसने बाइबल को लिखा, स्वयं को प्रमाणित किया और फिर उसे बिना कारण छोड़ दिया। शुद्ध... भाई शुद्ध नहीं, जैसा मैंने कहा, यह गंदा द्वेष है। देख रहे हैं, परमेश्वर बीमारो को चंगा करता है, मरे हुए को जिलाता है, वही परमेश्वर जो चेलों के दिनों में रहा! वही सुसमाचार जो उन्होंने लिखा इस आत्मिक यात्रा के लिए, उसी परमेश्वर ने उन्हीं चीजों को किया। इसमें कुछ नहीं सिवाये द्वेष के, बाहर निकाल दिया, "और हम इसे अपने लोगों के बीच नहीं लेंगे।" समझे? इन्हें भगा दो!

78 उन्होंने सोचा, भाई लोग, उन्होंने कभी भी इस प्रकार के मनुष्य का कभी उपयोग नहीं करेंगे, इसलिए, "क्यों ना इससे अलग हो जाओ? "

79 यही बात जो आज घटित हुई है। वे सोचते हैं कि, "क्योंकि हमारी कलीसियाये बुद्धिमान हो गई है, हमारे पास सबसे अच्छे वस्त्र धारण करने वाली भीड़ है, सबसे बड़ी संस्था, बहुत चतुर सेवक, तो हमें पवित्र आत्मा की कोई आवश्यकता नहीं, जैसे यह पहले हुआ करता था।" वे लोग पूरे हैं, दूसरे शब्दों में, व्यवहार वचनों से अधिक तेज बोलता है। यह उनकी धर्म विद्यालय है और उनके... और उन—उन लोगों के मस्तिष्क और उनका आपस का मिलना और—और इन बातों पर चर्चा करना, अपने बुद्धिमानी विचारों के साथ अधिक योग्य है कि कलीसिया को व्यवस्थित करें, पवित्र आत्मा से अधिक अच्छा, जो वह कर सकता है। इसलिए उन्हें इसकी आवश्यकता नहीं। "यह कुछ ऐसा है जिसकी हमें आज आवश्यकता नहीं है, इसके दिन अब चले गए।" अब यह ठीक नहीं है? [सभा "आमीन" कहती है।—सम्पा।] "बिमारो को चंगा करने के लिए हमें पवित्र आत्मा की आवश्यकता नहीं है। हमारे पास डॉक्टर है। हमें अन्य भाषा बोलने के लिए पवित्र आत्मा की आवश्यकता नहीं है। हम सब बुद्धिमान लोग हैं।"

और जब आप करते हैं तो आप जीवन की रेखा को अपने ढांचे से बाहर कर देते हैं।

80 यीशु ने अपने दिनों में उन यहूदियों से कहा, "क्या आपने ये नहीं पढ़ा, 'वह पत्थर जो विशेष कोने का पत्थर ठुकराया गया, जिस पर सारा भवन टिका हुआ है'? "

81 अब, आप देखिए मेरा क्या अर्थ है? मैं निश्चित हूं आप—आप यह समझ सकते हैं, इस समय इसका यही कारण है, क्योंकि उन्होंने सोचा कि उन्हें इसकी कभी भी आवश्यकता नहीं पड़ेगी। "हमें भाषा बोलने वाले की आवश्यकता नहीं है, हमें भाषा अनुवादक की आवश्यकता नहीं है। हमें पुराने नियम के भविष्यवक्ताओं कि आवश्यकता नहीं है कि हमें व्यवस्थित करें पवित्र आत्मा के द्वारा हम यह समझते हैं।" समझे? उन्होंने मनुष्य द्वारा बनाई व्यवस्था अपना ली है कि पवित्र आत्मा का स्थान ले।

82 इसलिए, लोग हैं जो चुने हुए हैं, उनके नाम मेमने की जीवन की पुस्तक में वे इसके लिए नहीं जा सकते। वे आत्मिक मन के है, वे इसके लिए नहीं जा सकते। वे इसे सहन नहीं कर सकते, कोई मतलब नहीं यदि उनके पिता और माताएं, इसमें रहे थे, उनकी जो भी संस्थागत कलीसिया थी।

83 जब, एक कलीसिया बनती है, हो सकता है वे इसे सीधा स्पष्ट नहीं बोलेंगे, ओह नहीं वे इसे साफ साफ नहीं बोलेंगे परंतु उनका व्यवहार सिद्ध करता है। *यहां* पर वचन है। वे आत्मिक समझ वाले है, और इसलिए वे इसके लिए नहीं जा सकते। और पवित्र आत्मा उनके बीच में यह प्रमाणित करता है, जब वह उन्हें एक साथ एकत्र करता कर सकता है, कि वह अब भी बीमार को चंगा करता है, और मरे हुए को जिलाता है, और भाषाओं में बात करता है और शैतानों को निकालता है। यह निर्भर करता है... उस व्यक्ति के अंदर क्या है।

84 जैसे कि श्रीमती आरगन ब्राइट वहां पर है, उस दिन यह सोच रही थी वहां चलते चलते, कुछ घास के तिनके खींचते हुए जब वह सामने की घास काट रही थी। मैं वहां से निकला, उनके बराबर से, वह मुझे नहीं जान पाई, मैंने उन्हें करने दिया। मैं देख रहा था।

अब ध्यान दें, पवित्र आत्मा अपने महान कार्य में।

85 कलीसिया अनुभव करती है इसमें पवित्र आत्मा की आवश्यकता नहीं है। कलीसियाये आपको ये बता देगी। और मनुष्य खड़ा हो सकता और

आपको ऐसी बुद्धिमानी कि बात बताता है, आपसे विश्वास करवा ले जा सकता है। अब चलिए थोड़ा वहां रुके एक मिनट, क्या यीशु ने नहीं कहा कि दो आपस में इतने मिलते हुए होंगे, "यह चुने हुए को धोखा दे देगा, यदि यह संभव था"? [सभा "आमीन" कहती है।—सम्पा।] बुद्धि की बातें इतनी चिकनी चुपड़ी होती है कि यह—यह लोगों को धोखा देगी। यह सुसमाचार, ये मनुष्य है जो वचन को इस प्रकार से बोलता है कि वह लगभग किसी बुद्धिमान व्यक्ति को, यदि आप बस उसकी बुद्धिमानी पर भरोसा करते हैं, वे—वे पवित्र आत्मा को दोषी ठहरा देते हैं, और—और मनुष्य के मार्ग को ले लेते हैं हम यह देखते हैं।

86 अब यह वही चीज है, जो उन्होंने यूसुफ के विषय में सोचा और वे उससे अलग हो गए। और ओह, मिस्र में, कैसे हम सोच सकते हैं, कैसे मैं इस पर घंटों व्यतीत कर सकता था, आप यहां तीन वर्षों तक टिके रह सकते हैं, और उस विषय को कभी नहीं छोड़ेंगे दिन और रात और अब भी पवित्र आत्मा कि गिरी पा रहे हैं। आत्मिक मनोभाव वाले मिस्र में देख सकते हैं और देखते हैं सताव बढ़ रहा है; युसूफ को देख सकते हैं, अलग कर दिया गया, इस क्रम में कि सताव और बढ़ सके। और तब देखिए परमेश्वर अपने पहिए के साथ पहियो में हर चीज घूम रही है बिल्कुल सिद्धता में। देखीये पोतीफर ने युसूफ को अस्वीकार कर दिया; देखिए झूठ बोला गया। और देखिए युसूफ जेल में था और उसकी दाढ़ी बड़ी हो गई भाइयों के बीच से निकाला हुआ, परंतु तब अचानक से परमेश्वर अंदर आ गया। समझे?

87 कैसे हम पहिए को पहियों में देख सकते हैं, चल रहे हैं! परमेश्वर की महान योजना हर चीज को निर्गमन के लिए आगे बढ़ा रहा है, इस समय जब वह अपने लोगों को फिर वापस इस राष्ट्र में बुलाएगा, वापस स्थान में उसी स्थिति में जहां वह उन्हें आशीषित कर सके उनके बीच में एक को रख सके जिसकी उसने प्रतिज्ञा दी है कि वह उनके बीच में रखेगा। उन्हें अपने देश में होना ही है। स्मरण रहे, उन्हें उस देश से जिसमें वे है बाहर आना ही है, और प्रतिज्ञा के राष्ट्र में जाना है, इसके पहले उनका प्रतिज्ञा का मसीहा कभी आ सके।

88 और कलीसिया को भी वही चीज करनी है, अस्वीकार करने वाले लोगों के झुंड में से बाहर आ जाए प्रतिज्ञा में चली जाए, इसके पहले कि मसीहा

उनके सामने कभी प्रगट हुआ। आप ये देखते हैं? [सभा "आमीन" कहती है—सम्पा।] मसीहा का जीवन प्रगट किया गया कलीसिया को तैयार किया गया, एक दुल्हन।

89 एक स्त्री पुरुष से विवाह करती है, और उसके साथ असहमत हो रही है, यह एक प्रकार का निरंतर एक विवाद रहेगा। परंतु जब पुरुष और उसकी पत्नी उसकी लड़की भिन्न, उसकी मंगेतर जब वे लोग एकमत है, जैसे एक प्राण और एक विचार, क्योंकि वे एक देह होने जा रहे हैं।

90 तब, जब कलीसिया परमेश्वर के साथ एक सामंजस्य में हो सकती है, जब तक दूल्हा दुल्हन के अंदर से प्रगट ना हो, क्योंकि वे एक होने जा रहे हैं! ओह, क्या ही महान पाठ है। ठीक है।

91 अब, स्मरण रखें आत्मिक मनोभाव वाला इसे समझ रहा है छाया प्रति छाया देख सकते हैं और इसे लेते हैं। एक के लिए, हम इसमें घंटो जा सकते हैं, देखिए क्या घटित होता।

92 और क्यों हमने इन सारे वर्षा प्रतीक्षा की मरुद्यान के समय से? आप जानते हैं बाइबल यह बोलती है, "कलीसिया जंगल में भाग गई जहां उसका एक समय तक पालन पोषण हुआ।" और क्यों यह सब हुआ? कि हम... समझे? यह अब भी परमेश्वर के पहिए पहियों में है

93 क्यों परमेश्वर ने यह नहीं किया, बहुत समय पहले, जब लोग पेंसिलो के साथ बैठे और और स्त्रियां और समय को मालूम करने का यत्न किया? जैसे जज रदरफोर्ड और उनमें से बहुत से कि, "यीशु 14 में आता है।" और—और मदर शिप्टन और इसके और पहले और आदि–आदि, ये सारे समय। और देखिए, जब इसके द्वारा चलते हैं, किसके द्वारा उन्होंने कोशिश करें कि वचन से मालूम कर ले, देखिए, उन्होंने इसे नष्ट कर दिया, यह छिपा हुआ है, यह वास्तव में छिपा है। कैसे वचन अपने विरोध में जा सकता है, जब यीशु ने कहा, "कोई भी मनुष्य उस घड़ी और समय को नहीं जानता"? समझे? समझे? वे बस वचन के एक टुकड़े को लेते हैं और इसे थाम लेते हैं।

94 आपको पूरी चीज लेनी चाहिए, तब यदि परमेश्वर उसमें है तो परमेश्वर उसे प्रगट करेगा कि यही सत्य है। जैसे दिव्य चंगाई, यदि यह सच नहीं है, तो फिर यह सच नहीं है, परमेश्वर का इससे कुछ लेना देना नहीं। परंतु यदि वह इसे सच प्रगट करें, तो फिर यह सत्य है। जैसे कि यीशु...

95 परमेश्वर ने कहा, "यदि तुम्हारे बीच में एक है, एक भविष्यवक्ता है या आत्मिक, मैं उससे बात करूंगा। और जो वह कहता है घटित होता है, तो वह सुनना। यही है। परंतु यदि उसकी भविष्यवाणी गलत है, तब... " परमेश्वर गलत नहीं हो सकता, वह अनंत है, असफल ना होने वाला, सर्वशक्तिमान और वह गलत नहीं हो सकता। इसलिए, यदि मनुष्य बोल रहा है तो यह मनुष्य को ही दिखाएगा, यदि वह अपने ही वचन बोल रहा है, ये असफल हो जायेंगे। परंतु यदि वह परमेश्वर का वचन बोल रहा है, यह सफल नहीं हो सकता, क्योंकि यह परमेश्वर बोल रहा है। तो फिर, उसकी प्रेरणा परमेश्वर से आती है, और यह होगा... इसे तो सही होना है। परमेश्वर ने इसी तरह से बताने को कहा है। यही विधि है कि...

96 पुराने नियम में उसने कहा, "यदि वे व्यवस्था और भविष्यवक्ताओं के अनुसार ना बोले, यह इसलिए कि उनमें जीवन नहीं है, उनमें उजियाला नहीं।" ठीक है। उन्हें व्यवस्था और भविष्यवक्ताओं के अनुसार ही बोलना है। और एक भविष्यवाणी या कोई भी चीज वचन के अनुसार होनी चाहिए, यदि यह नहीं है यह गलत है। समझे?

97 अब हम पाते हैं कि यह सब हो चुका, क्योंकि प्रतीक्षा की गई बेदरिया मैथोडिस्ट और लूथरन, बैपटिस्ट, केम्पवेलाईट और—और वे विभिन्न। उनके यहां महान बेदारिया हुई। नाजरीन, पिलग्रिम, होलीनेस, पेंटीकोस्टल, सब में महान बदरिया, परंतु महान निर्गमन नहीं आया। क्यों? परमेश्वर ने अब्राहम को बताया, वह ठीक उसे देश में रखेगा, परंतु अमोरियो का पाप अभी पूरा नहीं हुआ। और परमेश्वर ने धैर्य से प्रतीक्षा की। वे लोग समाधान की कोशिश कर रहे थे, वे पवित्र वचन देख सकते थे, किसी चीज में जा सकते थे, किसी चीज में चले गए, उन्होंने कहा "*यही* दिन है, *यही* समय है।" परंतु आप यह समझने में असफल रहे कि अमोरियो का पाप अभी पूरा नहीं हुआ।

98 चार सौ वर्षों उन्होंने मिस्त्र में यात्रा की और बाहर निकाले गए। परंतु वास्तव में वे 440 वर्ष वही रहे भविष्यवक्ता को अस्वीकार करने के कारण। उन्हें अगले 40 वर्ष और कष्ट उठाना पड़ा, वहां उस जंगल में इसके पहले परमेश्वर उन्हें निकाल कर लाए। मूसा वहां जंगल में 40 वर्ष था, इसके पहले कि वह उन्हें छुडाने को वापस आता आप देखिए। 40 वर्ष के अधिक समय में गए, क्योंकि उन्होंने संदेश को ठुकराया था।

99 अब परमेश्वर के यहां 40 वर्ष लगभग आधा मिनट का है। हमारे समय से, इतना अंतर है। "हजार वर्ष केवल एक दिन।" समझे? एक मिनट भी नहीं होंगी, मुश्किल से। इस पर ध्यान दें।

100 अब, हमें देरी हो रही है। क्यों? परमेश्वर सहने वाला और प्रतीक्षा कर रहा है, देख रहा है। लूथरन को बेदारी में उठने दो. तब संगठित हो गए। मैथोडिस्ट को बेदारी में उठने दो; संगठित। जॉन स्मिथ, बैपटिस्ट कलीसिया, बड़ी बेदारी के साथ उठी; संगठित पेंटीकोस्टलो को सुधार और वरदानो के साथ उठने दो संगठित हुए। जब तक कि पाप पूरा हुआ, तब परमेश्वर उकता गया, तब निर्गमन आता है।

101 और हम यह देखते हैं, कि लोग अपने से समय के बाहोव में पलट कर देख सकते हैं, कि चीजें श्रापित है। वे खूटी और बाबुल का अच्छा कपड़ा फिर लेते हैं, और यही बात है कि लोगों के बीच में श्राप है, जब मनुष्य अपना ही विचार घुसाना चाहता है, चीजों के विषय में।

102 हमे वचन के साथ ही बने रहना है। यही परमेश्वर कि आज्ञा थी, "नगर कि किसी भी वस्तू को ना छूना, वह श्रापित नगर है। मत छुओ। उसे छोड़ दो।"

103 और अकन ने सोचा कि वह सोने कि खूटी ले सकता है, और सुंदर ढंग से शानदार संसार के समान जीवन बिता सकता है, और बाबुल का अच्छा वस्त्र। ओह, अकन लोग पड़ाव में है। समझे? परंतु चीज श्रापित है, और यह निरंतर श्रापित है, यह निसियन सभा से ही श्रापित है, निसिया रोम सदा से ही श्रापित है। परंतु परमेश्वर पापों को पूरा होने दे, जब तक की अमोरियो का लगभग भरने को है।

104 और अब कोई भी आत्मिक समझ के साथ, स्मरण रहे, मैं *आत्मिक* समझ का उल्लेख बराबर कर रहा हूं, आप देख सकते हैं कि इस देश के पाप का घड़ा भर गया है। वह संगठित और फिर से संगठित है, और संगठित और संगठित और अब वह संघात्मक और किसी चीज के साथ जुड़ी हुई। पाप पूरा हो गया है। यह निर्गमन का समय है, प्रतिज्ञा के देश को बुलाहट का समय है। ना कि प्रतिज्ञा, बस एक दूसरा देश जाने को, परंतु एक घर, सहस्त्रशताब्दी, बाहर बुलाने का समय। इस राष्ट्र का पाप (आज रात्रि इस फिर से प्रहार, प्रभु ने चाहा) भर गया। वह गंदा है।

105 आप कहते हैं, "भाई ब्रन्हम, वह राष्ट्र जिसमें आप रहते हैं?" जी हां श्रीमान निश्चय ही। आप कहते हैं, "संयुक्त राज्य के एक नागरिक के सामान, आपको यह नहीं कहना चाहिए।" तो फिर, एलिय्याह को इस्राएल पर श्राप नहीं बुलाना चाहिए, और तब जब वह स्वयं ही इस्त्राइली है। बाकी भविष्यवक्ताओं को कभी राष्ट्र को श्रापित नहीं करना चाहिए, जिसकी अधीनता में वे इस्त्राइली थे।

106 परंतु उन्होंने कभी भी अपने विचार नहीं बोले, परंतु प्रभु का वचन। समझे? निर्भर करता है, आपकी प्रेरणा कहां से आ रही है, निर्भर करता है यह कैसे आ रही है। यदि यह वचन के विपरीत है, इसे छोड़ दे, मैं कहता हूं कोई सिद्ध करें, यह वचन विरोधी है।

107 क्या बाइबल ने नहीं कहा, प्रकाशितवाक्य 13 में? यही जहां यह राष्ट्र प्रगट होता है, इस राष्ट्र का नंबर 13 है, एक स्त्री का देश। बाइबल में, यह स्त्री है। हमारे सिक्के पर स्त्री है। यह स्त्री का देश है। यही जहां स्त्रियों की सड़ाहट आरंभ होती है जहां यह समाप्त होती है। सड़ाहट अदन में आरंभ हुई, परमेश्वर के वचन का अविश्वास करने के द्वारा। यही जहां से स्त्री प्रचारक और सारी चीजें आरंभ हुई संसार की गंदगी होलीवुड से निकल कर आई, संसार का सबसे खराब राष्ट्र अधिक तलाक, सारे संसार के मिलाकर। समझे? क्यों? आप इन्ही किन्ही दिनों में पायेंगे, प्रभु ने चाहा, आप देखेंगे क्यों यह श्रापित चीज, आप इस तलाक के अन्धेपन को देख सकते हैं यह चीज शैतान ने लोगों कि आंखों पर डाल रखा है। हम लोग भयानक घड़ी में है। हमारा अंत लगभग पास ही है, मैं विश्वास करता हूं। वे सड़े हुए हैं, जड़ से सड़े हुए।

108 ये प्रकाशितवाक्य 13 में प्रगट होती है, नंबर 13। और स्मरण रहे यह एक मेमने के सामान उठा, धर्म की स्वतंत्रता। परंतु तब इसने पशु से सामर्थ प्राप्त की; इसके समान मूर्ति। और वह पूरे अधिकार के साथ बोला और वही सड़ाहट की चीजें की, जो पशु ने इसके सामने की। तब मुझे बताये, यह इस राष्ट्र के विषय में भविष्यवाणी नहीं है? एमोरिया की दशा बस पकने पर ही है, क्योंकि वे पहले ही इस में कार्य कर रहा है।

109 और हमारा नया पोप भी, उसका विशेष उद्देश्य भाइयों को एक साथ मिलाना। और स्वाभाविक आंख, यह चीज करने की। परन्तु परमेश्वर की दृष्टि में, यह पवित्र आत्मा के विरोध में, हम इसके साथ नहीं मिल सकते

थे। और हर कलीसिया को संघ में बुलाया जाएगा, इस चीज से बाहर आ जाओ, जितनी जल्दी आप आ सकते हैं। आप पशु की छाप को ले लेंगे, ना जानते हुए कि आप क्या कर रहे हैं। इस से बाहर आ जाए।

110 मैं आशा करता हूं कि आत्मिक समझ इसे समझ सकती है। मैं निश्चित हूं आप समझते हैं। परंतु मैं वहां घुमा हुआ हूं, जो भी है आप हर राष्ट्र में नहीं जा सकते, आप इसके टेप भेज सकते हैं। परमेश्वर के पास मार्ग है कि उस समझ को पकड़ ले कि कहां वह बीज बोया गया। ठीक है। और जैसे ही उजियाला उसे प्रमणित करता है [भाई ब्रन्हम एक बार ताली बजाते हैं—सम्पा।] यह चला गया, जीवन लेता है। उस छोटी स्त्री के समान जो कुयें पर थी, उसने कहा, "यह यही है।" उसने यह पकड़ लिया।

111 इस चीज से बाहर आ जाए, यह श्रापित है, "श्रापित!" मुझे बताये कहां कभी कोई गिरा और फिर उठा। मुझे बताये एक कभी कोई उठा, जो गिरा नहीं। इसलिए, आप देख सकते हैं कि चीज गलत है। ठीक है।

112 अभी पाप का घड़ा भरा नहीं था, अमोरियो का इसलिए उन्हें रूके रहना था, और निर्गमन से पहले प्रतीक्षा करनी थी। परंतु जब अमेरिका का पाप पूरा हो जाएगा, तब वहां आत्मिक निर्गमन आयेगा, या स्वाभाविक निर्गमन कि लोगों की अगुवाई स्वाभाविक देश में करें जहां एक समय स्वाभाविक अमोरी रहते थे, उसे अपना देश कहते थे।

113 और अमोरी नामधारी का अधर्म अपने आप को "कलीसिया" कहते हैं, जहां तक हो, जब तक कि उनका पाप पूरा होने पर है।

114 एक निर्गमन आ रहा है, जहां परमेश्वर दिखा देगा कौन, कौन है जहां कलीसिया स्वयं, यीशु मसीह की दुल्हन, बाहर निकल जाएगी उस देश में जिसकी प्रतिज्ञा हुई है। "मेरे पिता के घर में बहुत से मकान है, इस स्थान में।" आपको वहां जाकर लड़ाई नहीं करनी है, जैसे उन्होंने की। यह तो पहले ही तैयार है। यदि यह पृथ्वी का डेरा गिरा दिया जाएगा, तो हमारे पास पहले ही एक है जो प्रतिज्ञा कर रहा है, "कि जहां मैं हूं, वहां तुम भी होगी।" महान निर्गमन समीप है!

115 ध्यान दें, परमेश्वर ने वह निर्गमन कैसे किया, क्या वह... उसने क्या तैयारी कि, और एक मिनट अध्ययन करें, तब आज देखें। ठीक है। ध्यान दे निर्गमन के पहले, "वहां एक—एक फिरौन उठा जो युसूफ को नहीं जानता था।" समझे? एक फिरौन, जो युसूफ को नहीं जानता था। "युसूफ को

नहीं जानता था।" *युसूफ* किसका प्रतिनिधित्व है? इस आत्मिक निर्गमन में आत्मिक भाग।

116 अब वहां उठा "हम स्वतंत्र।" ("एक समय तक वह स्त्री वाली गई और आधे समय तक।") परंतु अंतत: एक उठा एक... या एक फिरौन तानाशाह जो धार्मिक स्वतंत्रता का नहीं जानता था उन्हें एक साथ जमा किया। इसे निकलने ना दे। एक समय आया जहां एक फिरौन था, पहले आना था।

117 और संस्थाये संपन्नता में रही, वास्तविक मसीहत कि दाखलता में सांटी हुई, परंतु यह अब भी अपने मूल फलो को ला रही थी; स्त्रियां, आधे कपड़े पहने हुए; मनुष्य बुद्धिमान और आत्मा की सामर्थ का इनकार करने वाले। परंतु यह मसीही कलीसिया के नाम में जीवित रही, यह सांटी हुई दाखलता। परंतु किसान अब आ रहा है कि दाखलता को छोटे, जैसा कि उसने कहा, वह करेगा। वे सब जिनके पास कल नहीं है काटा गया और आग में डाला गया और भस्म हो गया।

118 यह कहना भयानक बात है, परंतु कभी–कभी सत्य भयानक प्रतीत होता है, जैसा कि मैंने अभी बताया, कैसे परमेश्वर अपने बालकों को गहरे पानी में से ले गया कीचड़ वाली रेत और चीजें, वह इसी प्रकार से करता है। स्मरण रहे, वह वह बर्तन को छोटे–छोटे टुकड़ों में तोड़ देना चाहिए, हिरनी, छोटे छोटे टुकड़ों में कि फिर से ढाला जाए, फिर से मिट्टी में। भयानक सी बात दिखाई पड़ती है कि इसे नष्ट कर दे, परंतु इसको इसी प्रकार ही किया जाना है, उस बर्तन को फिर से बनाने की प्रक्रिया में, फूलदान या आप जो भी बना रहे हैं।

119 "एक फिरौन वहां पर जो उठ खड़ा हुआ, जो युसूफ को नहीं जानता था।" और आरंभ का आरंभ था। यह निर्गमन का आरंभ था। और जब उस बात ने रूप लेना आरंभ किया, एक—एक राजनीतिक सामर्थ की अधीनता में, रूप लेना आरंभ किया, परमेश्वर ने तैयारी आरंभ कर दी। अमोरियो का पाप पूरा हो गया था। वह समय जिसकी प्रतिज्ञा उसने अब्राहम से की पूरा हो गया, और छुटकारे का समय निकट था।

120 और परमेश्वर ने फिरौन को उठने कि अनुमति दे दी, जो युसूफ को नहीं जानता था और रामसेस ने जन्म लिया। और सेती के ठीक बाद रामसेस आया। और रामसेस वह था जो यूसुफ की आशीषो को नहीं जानता था। और—और उसे नहीं मालूम कि आत्मिक क्षेत्र क्या था। तो केवल निपुण

राजनीतिज्ञ था, जो इथोपिया को ले सका, और बाकी बचे राष्ट्र, सैनिक सामर्थ में। और वह यही जानता था, सैनिक ताकत।

121 और मैं सोचता हूं यदि कोई व्यक्ति आत्मिक था, देख सकता था कि क्या घटित हो रहा है अब, हमें एक फिरौन मिल रहा है जो धार्मिक स्वतंत्रता को नहीं जानता। जब हमारे राष्ट्रपति ने अपना कार्यभार संभाला, वह यह शपथ नहीं खायेगा कि वह धार्मिक स्वतंत्रता में विश्वास करता है।

122 उस दिन के विषय में क्या है जब उसके सामने यह अलगाव वाद का प्रश्न था, नीचे दक्षिण में? जब अलाबामा का—का यह गवर्नर... मेरी इच्छा थी कि मैं सेवक से बात कर सकता, वह मार्टिन लूथर किंग, वह मनुष्य कैसे अगुवा हो सकता है, और अपने लोगों को मृत्यु के फंदे कि ओर अगुवाई करें? यदि वे लोग बधुवाई में थे, मैं कोट उतार के वहां नीचे होऊंगा, उन लोगों के लिए पिट रहा होता। वे लोग गुलाम नहीं है। वे नागरिक है। वे राष्ट्र के नागरिक है। "विद्यालय जाने," का प्रश्न।

123 वे लोग, यदि उनका ह्रदय कठोर है, और उन बातों को नहीं जानते। आप लोगों में नहीं डाल सकते, आत्मिक बातें, उस राजनैतिक शक्ति के साथ उनमें क्या धड़क रहा है। उन्हें यह स्वीकार करना ही होगा, कि फिर से जन्म ले, तब वे इन बातों को देखेंगे।

124 परंतु यह मनुष्य, यदि मैं उससे बातें कर सकता होता; उन बाहुमूल्य लोगों की अगुवाई कर रहा है, धर्म के नाम पर मृत्यु के फंदे में, जहां वह उन हजारों गुना हजारों को मरवाने जा रहा है! वे नहीं... उन्हें केवल स्वाभाविक पक्ष मिला है।

125 यह व्यक्ति, अश्वेत भाई, जब लुईविल में वह महान पक्ष मिला है, उस समय मैं वहां पर था। जब... वहां एक अश्वेत सेवक था, बहुमूल्य बुढ़ा भाई, वहां खड़ा हुआ और बोला, नागरिक सेना से पूछो, "क्या मैं उन से बातें कर सकता हूं? वे मेरे लोग हैं।" और यह बूढ़ा सेवक वहां पर खड़ा हुआ, बोला, "इस सुबह मैं कहना चाहता हूं, मैं अपने रंग से कभी लज्जित नहीं हुआ। मेरे बनाने वाले ने मुझे बनाया है जो मैं हूं।"

126 वह उसे वैसा ही रहने देना चाहता है। ऐसे ही वह हर मनुष्य को रखना चाहता है, उसने सफेद फूल बनाया और नीले फूल और सारे रंग बिरंगी फूल, उनको मिश्रित ना करें, उन्हें ना मिलाये आप प्रकृति के विरोध में है।

127 उसने कहा, "मुझे अपने रंग पर लज्जा नहीं आती आज सुबह तक।" उसने कहा, "जब मैं अपने लोगों को उठते देखता हूं, उन चीजों को कर रहे हैं जो वे कर रहे हैं, अब।" उसने कहा, "मुझे उन पर इस बात से लज्जा आती है।"

मैंने सोचा, "परमेश्वर उस आवाज को आशीष दे।"

उसने कहा, "आप केवल परेशानी का कारण हो।" कहा, "यहां विद्यालय को देखें, यदि हमारे पास विद्यालय नहीं थे," कहा, "तो यह भिन्न बात होती। परंतु यहां लुईसविल में सबसे अच्छे विद्यालय किसके पास है?" कहा, "चलिए उदाहरण के लिए देखते हैं, हमारा नगर शेवरेपोर्ट," कहा, "वहाँ एक श्वेतो का विद्यालय है, यह पुराना विद्यालय है, उन्होंने हमारे लिए दूसरा बनाया, उनके पास एक चीज नहीं है, बालकों के लिए एक चीज खेलने के लिए, हमारे पास भरपुरी से है। और इसे छोड़ उन्होंने हमारे लिए एक बड़ा संगमरमर का तालाब तैरने के लिए हमारे बालकों के लिए बनाया, और हमारे पास अच्छे शिक्षक है, जो हो सकता है।" कहा, "आप क्यों वहां पर जाना चाहते हैं, जब यहां हमारे पास अच्छा है! आपके साथ क्या बात है?" उसने कहा।

128 और वे लोग वे, "वाह!" उन्होंने आवाज को दबा दिया। आप वही है, देखिए, गलत प्रेरणा।

129 वे लोग गुलाम थे, वे लोग मेरे भाई और बहने हैं, वे गुलाम थे मैं कहूंगा, "हम उनके साथ मिल जाए और सड़कों पर होकर निकले और बातों को विरोध करें।" वे लोग गुलाम नहीं। वे नागरिक है उसी अधिकार के साथ जो किसी और के पास है। यह प्रेरणा का ढेर नरक से आ रहा है, कि लाखों लोगों को मरने का कारण बने, उन्होंने एक क्रांति आरंभ की है। निश्चय ही, यह है। यह ठीक नहीं है।

130 पुरुषों और स्त्रियों के अपने अधिकार है, हमारे अश्वेत भाई और हमारी जापानी लोग और वे पीले, सफेद, काले और वे जो भी थे परमेश्वर के द्वारा उनमें कोई रंग कि भिन्नता नहीं है, हम सब एक मनुष्य से आये हैं, आदम। परन्तु यदि परमेश्वर ने हमें अलग कर दिया, और विभिन्न रंगों में कर दिया, हम उसी प्रकार बने रहे। यदि मैं एक—एक—एक पीला मनुष्य था, मैं जापानी ही बना रहना चाहूंगा या चीनी, मैं एक—एक—एक अश्वेत पुरुष या मैं वैसा ही रहना चाहूंगा। परमेश्वर ने मुझे ऐसा ही बनाया है।

131 निष्कपटता पूर्व, रंग जाति के विषय में बहुत कुछ है कि श्वेत जाति होनी चाहिए, उन्हें चिंता नहीं करनी चाहिए, वे लोग अधिक आत्मिक है, उनके विषय में हजारों बातें हैं, जिन्हें श्वेत मनुष्य छू भी नहीं सकता। परमेश्वर ने उन्हें ऐसा ही बनाया।

132 कौन कभी अश्वेत गायन मंडली से अच्छा गा सका? आप आवाजो को कहां पा सकते हैं? मैंने उन्हें देखा, कहीं दूर देश से आये, नहीं मालूम कि सीधा और उल्टा हाथ क्या है, उनकी 30 या 40 विभिन्न जातियां और वे एक स्थान में गाते हैं, गुरु लोग वहां खड़े हो कहते हैं, "मैं इस तक नहीं पहुंच सकता।" उसने वर्षों गायन मंडलियों को प्रशिक्षण दिया, और एक, एक स्वर ऊंचा होगा और नीचा और सारी बातें, कहा, "इसे सुने, एकदम सिद्ध, यहां तक की विभिन्न भाषाओं में।" इन्हें वरदान मिला हुआ है।

133 परंतु, आप देखिए, यह सारी चीजें होनी ही है, सब राजनीतिज्ञों के कारण जिन्हें अपने अपनी धोखेबाज यंत्रों के द्वारा चुना है।

134 उस दिन जब वहां पर गवर्नर खड़ा हुआ था, शपथ लेकर चुना गया, उस कार्यस्थल के लिए, लोगों के द्वारा, संविधान के अनुसार अलगाव वाद के प्रश्न पर, कि प्रत्येक प्रांत इस विषय में अपना विचार ले सकता है। उसने चिंता नहीं की, परंतु अपने संविधान को पढ़ा, कहा, "अब विद्यालय अलगाववाद के लिए पक्ष ले रहा है।" वहां उनके पास विद्यालय है। और केवल दो अश्वेत बालक वहां विद्यालय में जाना चाहते हैं, जबकि उनके पास उनके अपने कॉलेज है। परंतु वह खड़ा हुआ और बोला, "क्या?" यहाँ तक कि उसने संविधान को भी पढ़ा।

135 तब जब यह उस व्यक्ति के पास वापस आया, हम यहां पर है जो युसूफ को नहीं जानता, स्वतंत्रता, उन अश्वेत मतों को खींच रहा है, और नहीं जानते हुए कि यह रिपब्लिकन दल था, जिसने इन्हें स्वंत्रता दी, पहली बार। अपने जन्मसिद्ध अधिकार को बेच रहे हैं, इस प्रकार की चीज के लिए, कि उन्हें मृत्यु के फंदे पर ले जाए, यह दिखाने के लिए, मनुष्य द्वारा बनाई गई हर व्यवस्था को गिरना ही है, बिल्कुल ठीक बात है। और श्री कनेडी ने इस कवच का राष्ट्रीयकरण कर दिया और उन लोगों को ठीक उनके पूर्वजों के सामने खड़े होने के लिए वापस भेज दिया उस विधान में। कि उस विधान को फिर तोड़ा।

136 कहा, "हम नहीं लड़ेंगे। नही श्रीमान।" और कहा, "मैं आशा करता हूं राष्ट्र पा सकता है कि अब हम और लोकतंत्र की अधीनता में नहीं है, परंतु सैनिक तानाशाही में।"

137 आप जानते हैं पुरानी कहावत है, "एक समय दक्षिण में लोकतंत्री सदा," मैं अब नहीं जानता, ओह, निश्चय ही एक मनुष्य में पर्याप्त चेतना होगी कि किसी चीज के लिए जागे। समझे? उन बहुमूल्य लोगों को छोड़ दे, वहां उन्हें ना मारे।

138 जैसे पीछे उसने उस भाई को गोली मार दी, उस रात्रि बंदूक से और उसके छोटे बच्चे और पत्नी घर में थे, मैं चिंता नहीं करता कि वह कौन है, यह निचा और छोटा। जी हां, श्रीमान। उस मामले में न्यायी होना एक समय। हुन–हू। हुन–हू। उस मनुष्य को गोली मार दी, जो अपनी पत्नी और बच्चों के पास घर आ रहा था। वह एक नागरिक है, जो वह सोचता है ठीक है उस पक्ष पर होने के लिए उसका अधिकार है एक अच्छा मनुष्य। *लाइफ* पत्रिका में चित्र है, वह छोटा लड़का अपने पिता के लिए रो रहा है, और कोई विश्वासघाती गोली मारने के लिए छिपा है।

139 जब आप मसीहा को अस्वीकार करते है तो यही है जो आप पाते हैं, यह ठीक बात है, यही जहां पूरे राष्ट्र को आना है यह सब राजनीति में, यह ऐसी लज्ञा की बात, परंतु यही जो हमने चाहा इस चुनाव में हमने यही प्रमाणित किया है, आज सुबह।

140 मेरे छोटे लड़के ने मुझसे कहा, "पापा, पूर्वज तीर्थयात्री, जब वे यहां पर आये, जहां से वे सब थे, इस निश्चित नामधारी कलीसिया के? क्या वे सब थे... " कहा, "उनके पास वे बड़े लबादे थे? "

141 मैंने कहा, "नहीं, प्रिय। वे यहां धार्मिक स्वतंत्रता के लिए आये, यही जिसके लिए वे यहां आये, कि ऐसी चीज की अधीनता से बाहर आ जाए।" आप देखिए अब वे कहां आ गए? दर्शाता है कि इस राज्य को गिरना ही है।

मुझे जल्दी करना चाहिए।

142 एक बात, मैं प्रार्थना करता हूं कि भाई मार्टिन लूथर किंग निश्चित ही जल्द जी उठेगा, वह अपने लोगों से प्रेम करता है; इसमें संदेह नहीं। परंतु यदि वह बस केवल देखता उसकी प्रेरणा कहां। आपको क्या लाभ यदि आप विद्यालय गए और वहां पर लाखों मरे पड़े हैं? क्या विद्यालय जाना चाहोगे, वैसे ही? अब, भूख के लिए—के लिए, यदि यह किसी और चीज के लिए

गुलाम था, मनुष्य शहीद हो जाएगा कि अपना जीवन इस कारण के लिए दे एक योग्य कारण और यह एक योग्य कारण होगा; परंतु बस विद्यालय जाना, मैं—मैं यह नहीं देखता। समझे? मैं नहीं समझता कि पवित्र आत्मा उसके साथ सहमत है, इस बात पर बिल्कुल नहीं। यह लोगों को इस पर कार्य करना है उस शोर गुल का झुंड आप देखिए।

143 जिस—जिस प्रकार से हिटलर ने जर्मनी में किया, उनकी अगुवाई सीधे मृत्यु के जाल में की, वे मूल्यवान जर्मनी। और वे करोड़ों में पड़े हैं, या लाखों एक दूसरे के ऊपर ढेर लगा रहे है।

144 और यह बिल्कुल वही चीज है। और याद रहे मैं टेप पर हूं। हो सकता है मेरे चले जाने के बाद, ठीक यही घटित होने वाला है। वे मूल्यवान लोग मक्खियों के सामान मारे जाएंगे, एक क्रांति को आरंभ करते हैं, श्वेत और अश्वेत दोनों फिर लड़ेंगे, और मक्खियों के सामान मरेंगे, जब यह सब हो जाएगा आपको क्या मिलेगा? मरे हुए लोगों का ढेर।

145 "परंतु वहां एक फिरौन उठ खड़ा हुआ जो युसूफ को नहीं जानता था।" आज भी वैसा ही है, एक मनुष्य उठा और व्हाइट हाउस में शपथ ली, जो अपनी शपथ दृढ़ता पूर्वक नहीं लेगा, वह अपनी शपथ नहीं लेगा कि वह धार्मिक स्वतंत्रता में विश्वास करता है।

146 यह नया पोप क्या कह रहा है? एक... चार बातें जो कि उनमें से एक कैथोलिक और प्रोटेस्टो का एक साथ जोड़ना। और कोई भी बुद्धिमान व्यक्ति, करने के लिए यही चीज है, परंतु बाइबल के अनुसार यह करना गलत बात है, और बाइबल ने कहा वे करेंगे।

147 चलिए थोड़ा सा आगे बढ़ते हैं। इस समय, मिस्र में रामसेस बड़ा हो रहा है, उसकी सामर्थ बढ़ रही है। स्वाभाविक मनुष्य, रामसेस बड़ा हो रहा था।

148 वह स्वाभाविक मनुष्य, मसीह विरोधी अब बड़ा हो रहा है, राजनीति से होते हुए वह व्हाइट हाउस में पहले ही पहुंच चुका। धर्म में, उसने लोगों को इतना संकोची कर दिया, जब तक कि वास्तव में, वे इसके लिए गिर पड़ेंगे, और नामधारी नेता लोग, व्यवहारिक रूप में हर कलीसिया, जो यहां राष्ट्र में है, वह पहले ही कलीसियायी संघ में है, रामसेस बड़ा हो रहा है। और वे सब एक साथ जुड़ रहे हैं, और यहीं उन्हें करना है यह क्या करता है? ये सामर्थ को बनाता है, एक पशु पहले वाले के समान।

149 तब वहां सताव है जो उन सब पर आ रहा है जो उनके साथ नहीं जुड़ेंगे और एक बहिष्कार, तब बहुत देर हो जाएगी, आप पहले ही छाप ले चुके। मत कहे, "मैं यह तब कर लूंगा।" अच्छा हो कि आप इसी समय कर ले। रामसेस बड़ा हो रहा था।

150 परंतु याद रखें, जब रामसेस अपनी सामर्थ में मिस्र में बड़ा हो रहा है। परमेश्वर के पास मूसा जंगल में है। वह भी बड़ा हो रहा है। रामसेस के पास राजनीतिक व्यवस्था है। परमेश्वर के पास आत्मिक व्यवस्था, एक भविष्यवक्ता की अधीनता में, आने के लिए तैयार, कि लोगों से बात करें।

151 वे दोनों फिर से बड़े हो रहे हैं, यह एक प्रदर्शन होगा, इन्हीं किन्ही दिनों में। समय अब दूर नहीं है जब यह प्रदर्शन सामने आयेगा। स्वाभाविक की तरह... जैसा वचन कहता है, "स्वाभाविक आत्मिक का प्रतीक है," आप इससे बच नहीं सकते, यह यही है, यह ठीक आपकी आंखों के सामने हैं, यह सत्य है अब कलीसियाओ को देखें अब बुला रहे हैं, सामर्थ में आ रहे हैं, पवित्र आत्मा नीचे आ रहा है परमेश्वर के भेद खोले जा आ रहे हैं और क्रम में व्यवस्थित है। समझे? और ठीक रहा, वह पहले ही व्हाइट हाउस में है और कलीसिया आपस में मिल रही है, आमीन ना कि नामधारी पापों के बंधन से बाहर, अमोरियो से दूर, एक लोग जो स्वतंत्र है। ओह!

152 परमेश्वर के पास मूसा उसका भविष्य वक्ता होने के लिए है। यद्यपि उसने पहले ही इसकी भविष्यवाणी कर दी है, और यह सिद्ध कर दिया कि वह ठीक था, परंतु फिर भी वह जंगल के विद्यालय में था, सारे संसार से छिपा हुआ। परंतु वह सिखाया और प्रशिक्षित किया जा रहा था, वहां जंगल में।

153 शत्रु सदा अपनी व्यवस्था को प्रस्तुत करेगा। और अविश्वास इसे स्वीकार करेगा, क्योंकि शत्रु एक बुद्धि का चिन्ह है।

154 अब याद रखें, वहां केवल दो ही है। इसे ना भूले। केवल दो ही सामर्थ है। एक आत्मिक सामर्थ, पवित्र आत्मा की, दूसरी शैतान की जो बुद्धि की शक्ति से कार्य करती है। क्योंकि वहीं से वह प्रवेश करता है, अदन की वाटिका में, बुद्धि की शक्तियों से कि हवा का विश्वास बुद्धिमानी धारणा पर ले आये, वचन के विरोध में, जितना स्पष्ट यह हो सकता है, बालक इसे समझ सके। समझे? समझे? और यह ऐसा ही रहा है, सारे समय से।

155 आज की प्रात: ये यहां मिस्र में है। बुद्धिमानी की एक शक्ति रामसेस में कार्य कर रही है उसे सामर्थ में ला रही है। उसे उठा रही है, जो उस स्वतंत्रता को नहीं जानता जो युसूफ ने किया था, कलीसिया ने आरंभ में क्या किया था।

156 और अब हम वही चीज देखते हैं, एक बौद्धिक शक्ति कलीसियाओ के बीच बनी जा रही है और यह पुरोहितवाद के अध्यक्षता की ओर उठ रहा है, जो इस बात की चिंता नहीं करता कि बाइबल ने क्या कहा है। उनकी अपनी ही व्यवस्था है, यह नहीं कि बाइबल ने क्या कहा जो कलीसिया ने कहा। और प्रोटेस्टेंट इसी में बिन गए हैं, जब तक कि उनके छोटे झुंड, इस प्रकार से, "ठीक है, निश्चय ही, अच्छा मैं जानता हूं यह *ये* कहता है, परंतु मैं तुम्हें बताता हूं, कि वे दिन चले गए।"

157 "भक्ति का भेष और सामर्थ का इंकार।" बाइबल का हर पवित्र लेख सीधा इसकी ओर संकेत करता है।

158 अब आप देखिए, मैं क्यों इसे टेप करवाना चाहता हूं और इसे लोगों को भेजू। वो घड़ी आ पहुंची, सच्चाई मालूम ही होती है, निर्गमन निकट है। समझे?

159 वह वह बुद्धिमानी वाला भाग सिद्ध दिखाई पड़ता है। और यह सिद्ध है, यह बिल्कुल सही; सिवाये सिद्ध, शैतान की प्रेरणा।

160 और फिर, सारे समय, कि यह बुद्धिमान रामसेस स बड़ा हो रहा था और सिंहासन पर आ रहा था। और स्मरण रखें, उसका पालन पोषण ऐसा हुआ जैसे मूसा का भाई, देखिए, मूसा का एक भाई। उनमें से एक को बुद्धिमानी की कुर्सी लेनी थी, जैसे यूसुफ अपने भाइयों के लिए और उन्होंने उस छोटे यूसुफ के साथ क्या किया? उसे वचन में से बाहर कर दिया। वचन परमेश्वर है। और उन्होंने वचन को बाहर कर दिया, और एक मतसार को स्वीकार कर लिया और अब मतसार सामर्थ में बड़ा हो गया।

161 ओह परमेश्वर, लोग यह देखने पाए! मैं कितनी और आवाजे प्रयोग कर सकता हूं? मैं वचन से कितना और स्पष्ट कर सकता हूं, पवित्र आत्मा की प्रेरणा की अधीनता में, कि हम यहां हैं?

162 "ओह," आप कहते हैं, "ठीक है, अब, यदि यह पोप जॉन की ओर से आये, या पोप *अमुक–अमुक* या बिशप *अमुक–अमुक*!"

क्या आप देखते हैं कि परमेश्वर ने एक रेगिस्तान निवासी ना कि बराबर को लिया?

कहते हैं, "कैसे यह सब गलत हो सकता है? "

163 परमेश्वर व्यक्तिगत से व्यवहार करता है ना कि झुंडो के साथ व्यक्तिगत के साथ; परमेश्वर अपना—अपना ले रहा है, अपना ले रहा है। केवल एक बात उसे एक ही मनुष्य को लेना है जिसको वह चला सके। कुल मिला कर वह एक मनुष्य को चाहता है। हर युग में से वह एक को लेने का यत्न करता है, यदि वह एक मनुष्य को ले सके! नूह के दिनों में उसने एक मनुष्य को लिया! एलिय्याह के दिनों में एक मनुष्य! युहन्ना बपतिस्मा देने वाले के दिनों में एक दिन, केवल एक मनुष्य वह जिसकी उसे आवश्यकता है। न्यायी के दिनों में, उसने एक मनुष्य को लेने का यत्न किया, शिमशोन उसे महान सामर्थ दी, परंतु उसने यह एक स्त्री को बेच दी और अंधा हो गया था, यह न्यायी; ऐसे नहीं थे, परमेश्वर न्यायी है। समझे?

164 आप आज देखिए, वह एक मनुष्य को लेने का यत्न कर रहा है, जिसे वह अपने हाथ में ले सके, जो सत्य को बताएगा, जो निडर होगा, वह मुक्के नहीं तानेगा वह हठधर्मी नहीं होगा; वह एक मनुष्य को अपने हाथों को पकड़ सकता है और अपने वचन को जीवित दर्शा सकता है, और अपने आप को जीवित दिखाएं। मैं विश्वास करता हूं कि वह ऐसा व्यक्ति तैयार पा सकेगा। मैं समझता हूं। मैं इसका विश्वास करता हूं, मैं बस... बाइबल पर पर्याप्त विश्वास कि वह यह पा सकेगा, यह ठीक बात है, जो सत्य बताएगा।

165 कुछ समय पश्चात हम पाते हैं, इन सब विद्यालयों में से होकर निकले। अब ध्यान दें। शत्रु कुछ सुझाव देता है, चतुर बुद्धि क्योंकि शैतान बुद्धि पर कार्य करता है। और मस्तिष्क बैठ कर और इस पर तर्क करता है, और कहता है, "अब जरा एक मिनट रुकिए। यह ऐसा नहीं है, यह एक सलाह है... "

166 उस दिन मैंने एक व्यक्ति से बात की, उसने कहा, "देखो बिली!" वह एक लोक सेवा कंपनी में कार्यरत है, एक अच्छा व्यक्ति। और उसने कहा, "मैं आपसे कुछ पूछना चाहता हूं।" कहा, "आप आयर लेंड के है।"

मैंने कहा, "हां, श्रीमान।" कहा, "मुझे इस पर लज्जा आती है एक प्रकार से, परंतु, मैं फिर भी हूं।"

167 और उसने कहा, "अच्छा," उसने कहा, "क्या आप नहीं जानते कि आपको वास्तव में, वास्तव में कैथोलिक होना चाहिए? "

168 मैंने कहा, "मैं हूं, ऊह–हूं, मूल कैथोलिक, ऊह–हूं।" आप जानते हैं पहली कलीसिया, कैथोलिक कलीसिया थी।

169 आप देखते हैं आज यह कहां पर है? यह पेंटीकोस्टल से आरंभ हुई, परंतु संगठन ने इसे कहां बैठा दिया, जहां आज यह है। देखिये पेंटीकोस्ट पर ठीक वापस आकर और संगठित हो गई और वह चीज की पहली कैथोलिक कलीसिया। और वे लगभग आज उतनी दूर है जैसे वे, जैसे वे दो हजार वर्ष। और पच्चास वर्ष उन्हें लगभग इस पर ले आये। समझे?

170 उसने कहा, "क्या आप यह विश्वास नहीं करते कि जब संघ विचारों का झुंड," आप वहीं पर है, "एक साथ बैठकर और किसी चीज पर तर्क करते हैं और सारा झुंड सहमत हो सकता है क्या आप नहीं सोचते, कि वे थोड़े होंगे... क्योंकि मैं आपको प्रचार करते हुए सुनने आया हूं," कहा, "परंतु मैं आप से असहमत हूं।"

171 और मैंने कहा, "केवल एक ही विधि है कि आप सिद्ध कर सकते हैं कि आपकी असहमती तर्क पूर्ण है, यह बाइबल के द्वारा सिद्ध होता है।"

उसने कहा, "बाइबल का इससे कोई लेना देना नहीं।"

172 मैंने कहा, "आपको, यह नहीं हो सकता। परंतु मुझे, इसका पूरी रीती से मतलब है, देखिए यह वचन है।"

173 और उसने कहा, "क्या आप नहीं सोचते संघ के विचार एक संग मिल कर बैठते, अधिक सही हो सकते है, और निश्चित होते हुए कि सही है तब एक छोटा सा अनपढ़ व्यक्ति आप जैसा? " और मैंने कहा... "अच्छा," कहा, "आपका किसी चीज के विरुद्ध कहने का क्या मतलब कि या हमारी—हमारी कलीसिया के विरोध में? जब, यह वहां युग से होते हुए है जब उनकी पहली सभा हुई जैसा कि आपने कहा, वहां एक रात्रि... " जब उसने यह सुना कलीसियायी युग, संघ सभा के निसियन रोम में जमा हुए और रोमन कैथोलिक कलीसिया बनायी। कहा, "क्या आप नहीं जानते वहां हजारों मनुष्य थे, आत्मा, परमेश्वर के भेजे हुए पुरुष वहां सभा में बैठे? और क्या आप नहीं सोचते कि उनके विचार परमेश्वर की इच्छा को जानने के लिए अधिक अधीनता में थे, बजाए आपके, अनंत परमेश्वर ने सिद्ध कर दिया, इन दो हज़ार वर्षों से होते हुए कि कि कलीसिया सही है? "

174 मैंने कहा "उसने कभी सिद्ध नहीं किया इसे।" मैंने कहा, "यदि वह कलीसिया परमेश्वर की कलीसिया है, चलिए देखते हैं कि यह पहली कलीसिया के समान करें जो उन्होंने तब किया, चलिए देखते हैं यह वही चीजे उत्पन्न करें, जो पहली बार हुई। जब, यहां तक कि बाइबल कहती है कि, 'यहां तक कि एक बिंदु या एक कण इसमें असफल नहीं होगा।' और उसने कहा, 'जो भी इसमें से एक वचन निकालेंगे या इसमें एक वचन मिलाएगा, उसका भाग ले लिया जाएगा,' चाहे यह संघ सभा या यह जो भी है 'जीवन की पुस्तक में से।' वह समाप्त हो गया।"

कहा, "बिली, तुम बस एक सनकी हो।"

175 और मैंने कहा, "जब मैं समझता हूं, एक बार इस्राएल के महान सम्मानित जब वे लोग हुए थे जिसे आज प्रोटेस्टेंट और कैथोलिक, इस्राएल इस्राएल ही बना रहना चाहता था।" परन्तु मैंने कहा, "हम पाते हैं कि उनके पास यहोशोपात नाम का राजा हुआ, एक धर्मी मनुष्य जिसने जो परमेश्वर के नियमों को बनाए रखने का यत्न किया। परंतु उनके पास एक दूसरे वाला या आहाब नाम का, जिसने एक स्त्री ब्याह ली, राजनीति, दूसरे राष्ट्र के साथ मित्रता की और उनकी एक लड़की से विवाह कर लिया, इजाबेल और उसे परमेश्वर के लोगों के मध्य में ले आया।" वही चीज जो हम कर रहे हैं और अंदर ला रहे हैं। "और वह शासक बन गई; और आहाब से *यह* कहलवाती और आहाब से *वह* कहलवाती।" वही चीज वे अब कर रहे हैं। और मैंने कहा, "शक्ति प्रदर्शन आ गया।"

176 वे दोनों कलीसियाओ को एक साथ मिलाना चाहते थे, जैसा कि वे अब करने का यत्न कर रहे हैं। और—और आहाब को... और यहां तक कि यहोशोपत, संगठन का व्यक्ति, ने कहा, "हां। यह अच्छा रहेगा। तेरे लोग मेरे लोग हैं, हम सब मसीही हैं, हम सब विश्वासी है आइए एक साथ मिले।" परंतु जब वह यह दिखाने को वह वहां गया, उसने कहा, "क्या आप नहीं सोचते हमें इस विषय में प्रार्थना करनी चाहिए? हमें प्रभु से परामर्श करना चाहिए।"

और उसने कहा, "हां," आहाब ने कहा।

इसलिए उसने कहा, "मैं तुम्हें बताऊंगा कि क्या आइए प्रभु के भविष्यवक्ता को ढूंढें।"

177 परंतु, आप देखिए, आहब के पास एक पद्धति थी जिसके लिए उसने सोचा यह प्रभु से थी। उसने कहा "मेरे पास उनमें चार सौ है शिक्षित और अशिक्षित किए हुए।" और उन्होंने इब्रानी भविष्यवक्ता होने का दावा किया, जैसा कि आज सेवक गणों का झुंड करता है।

178 और वे उन्हें बाहर निकालकर लाए, और उन से युद्ध छेड़ने के विषय में प्रश्न किया। उन में से हर एक एकत्र हुआ और मिल गए, जैसे कि आज संघ सभा आज कर रही है और वे प्रश्न के साथ आये। "जाओ चढ़ जाओ। प्रभु तुम्हारे साथ है, क्योंकि वह देश हमारा है, और सीरियाईयो को वहां से धकेल दो या पलिश्तिनीयों को उन्हें बाहर निकाल दो, क्योंकि देश हमारा है।" यह बात तर्क पूर्ण लगती है। समझे?

179 परंतु, फिर भी, यहोशोपात के ह्रदय के अंदर यह ठीक नहीं लगा। उसने कहा, "मैं जानता हूं आपके पास अच्छे प्रशिक्षित धार्मिक संघ के चार सौ सेवक गण है। और वे सारे एक मत है, यहां तक उन्होंने एक जोड़ा लोहे के सीग बनाकर और कहा, 'यहोवा यों कहता है।' परंतु क्या हम एक और नहीं ढूंढ सकते? "

180 उसने कहा, "राजा ऐसा ना कहे, " राजनीतिज्ञ ने कहा, "कि राजा ऐसा ना कहे क्योंकि यह लोग प्रशिक्षित मनुष्य है, मैंने स्वयं ही उन्हें सिखाया किया है।" यह है। समझे? यही है। "मैंने इन मनुष्यो को सिखाया है, परंतु वहां एक और है, परंतु मैं उससे घृणा करता हूं।" समझे? कहा, "वह मिकाय्याह है, इमला का पुत्र, परंतु, " कहा, "मैं उस से घृणा करता हूं। वह कुछ नहीं, केवल एक स्वधर्म त्यागी उनके बीच में। वह उन पर चिल्लाता रहता है, वह सदा मुझसे कहता रहता है कि मैं गलत हूं। मेरे राज्य को देख।" हाँ, इसे देख, इसमें कितनी गड़बड़ थी।

181 आज अपने नामधारी को देखें, "भक्ति के भेष भरते हैं, उसकी सामर्थ का इन्कार करते हैं।" समझे? ओह, आप लाखों में अधिक होंगे और हजारों अधिक और अच्छे प्रशिक्षण प्राप्त लोग, परन्तु आप आत्मा में कहां है? आपकी सामर्थ कहां पर है, शिमशोन में थी, जब वह वहां खड़ा हुआ और उस दिन बोला? अपने लंबे चौड़े आकार के साथ वहां पर और हर रोम–रोम, परंतु उसमें जीवन नहीं। आत्मा ने उसे छोड़ दिया। वह असहाय था। एक छोटा बालक उसकी आसपास अगुवाई कर रहा है; अंधी आंखें, किसी स्त्री के कारण। ठीक वैसे ही जैसे आज कलीसिया है, राजनीति के

द्वारा घुमाई जा रही है, बिशप प्राचीन और सब प्रकार की चीजें लोग अपनी टोपी में से तिनके खींच रहे हैं कि कुछ मिल जाए और सारी बातें। कहां है हम? इसलिए जब हम उस स्थान पर आते हैं...

182 उन्होंने भेजकर इमला को बुलवाया या वह... इमला नहीं परंतु मिकायाह; इमला का पुत्र, भेज कर ले आओ। और उसने भविष्यवाणी करके उनको बताया कि आहाब मारा जाएगा, यदि वह वहां गया।

183 और आर्कबिशप ने उसके मुख पर थप्पड़ मारा। वह इस विषय में ईमानदार था, उसने कहा, "परमेश्वर का आत्मा मुझे छोड़ कर कहां गया? "

कहा, "तू देखेगा।" ऊह–हूं। ऊह–हूं।

184 कहा, "इसे जेल में डाल दो, इसे अंदर की कोठरी में डाल दो, इसे दु:ख की रोटी दो, दु:ख का पानी दो। और जब मैं शांति में वापस आऊंगा, " कहा, "तब मैं इसे देखूंगा।"

185 और इमला जानता था कि वह ठीक परमेश्वर के साथ है! क्यों? उसका दर्शन वचन से मिलता था, वह एक भविष्यवक्ता था। और उसकी आत्मा और उसका दर्शन ठीक भविष्यवक्ता एलिय्याह के साथ था। उसने कहा, "यदि तू वापस आया, तो परमेश्वर मुझ से नहीं बोला।"

186 अब, मैंने इस व्यक्ति से कहा, "कौन ठीक है, धार्मिक संघ जहां 400 चुने हुए एक साथ बैठे हैं, मनुष्यो द्वारा चुने हुए, या एक छोटा स्वधर्म त्यागी परमेश्वर के द्वारा चुना हुआ? "

"अच्छा, " उसने कहा, "भाई आप कैसे अंतर को जान पायेंगे? "

187 मैंने कहा, "वापस मूल रूप रेखा पर!" कैसे हम भवन को बनाना जानते हैं, जब तक वहां नीला नक्शा ना हो?

188 यदि वे एक मिनट रुकते और ढूंढते कि कि भविष्यवक्ता एलिय्याह ने आहाब को श्राप दिया और कहा, "कुत्ते उसका लहू चाटेंगे।" और उन्होंने किया। वह कैसे आशीषित कर सकता था, जिसे परमेश्वर ने श्रापित किया?

189 आप कैसे किसी चीज को आशीषित कर सकते हैं जिसे परमेश्वर ने श्रापित किया? उस चीज से बाहर आ जाए। उस से अलग हो जाए मसीह में आ जाए। आमीन।

190 अब ध्यान दें, परंतु शत्रु सुझाव देगा। शत्रु चीज का सुझाव देगा इसे तैयार करो, और चतुर मस्तिष्क कहता है, "ये ठीक है।"

191 यही जहां यह मूल्यवान भाई था, यह मनुष्य, उसने कहा, "ऐसा लगा... इधर देखिए। आप जानते हैं कि, यदि हम सब एक साथ जमा हो जाये, एक कलीसिया के समान, क्या आप नहीं सोचते हम अधिक अच्छे हो जायेंगे बजाये कि जिस प्रकार हम बिखरे हुए हैं अब? "

192 क्या यह तर्क पूर्ण नहीं लगता, यदि सारे प्रोटेस्टेंट और कैथोलिक एक साथ एकत्र हो सके और आपसी सहमति पर आ जाए? "परंतु दो एक साथ कैसे चल सकते हैं, जब तक सहमत ना हो जाए? " कैसे आप हो सकते हैं, जब एक झुंड *यहां*, यहां यह चंगाई में विश्वास नहीं करता और *दूसरा* वाला कहता है वे विश्वास करते हैं *दूसरे* वाले इसे किसी बीते समय में रखते हैं? कुछ बाइबल तक में विश्वास नहीं करते। और इसे एक साथ रखते हैं, आपके पास क्या है? परमेश्वर गड़बड़ी का रचने वाला नहीं।

193 इसके पहले परमेश्वर अपनी कलीसिया को व्यवस्थित कर सके, उन्होंने दस दिन और रात प्रतीक्षा करी, जब तक कि वे "एक स्थान में एक मत ना हो गए।" और यहां पवित्र आत्मा अगुवाई के लिए आता है ना कि किसी कलीसियाओ कि संगठित सभा के लिए। समझे? मैं आशा करता हूं आप यह समझ गए। ध्यान दें।

194 यह अविश्वासी है, परमेश्वर के वचन के प्रति विश्वास योग्य नहीं, जो ध्यान नहीं देता, वचन क्या कहता है, परंतु अपने ही तर्कों पर ध्यान नहीं देता। यही जो हवा ने किया, पहली बार में। उसने अपने तर्क पर भरोसा किया।

195 शैतान ने कहा, "अब, यहां देखिए। क्या यह तर्क पूर्ण नहीं है? मैं जानता हूं कि वचन *यह* कहता है। परन्तु, एक मिनट प्रतीक्षा करें, क्या यह तर्क पूर्ण नहीं है कि—कि तुम पहले से और अच्छे हो जाओगे, यदि तुम सही गलत समझने लग गए? "

"क्यों, हां।" तब उसने इसे लिया। समझे? निश्चय ही।

196 तर्क के साथ यही है। अब अविश्वास सदा तर्कों पर जाएगा, परंतु विश्वास इसे नहीं छूयेगा।

197 क्या यह हमारे पूर्वजों के लिए तर्क पूर्ण नहीं रहा होगा; जिससे जो हमारे विश्वास का पिता है अब्राहम, कि हम "मसीह में" होकर उसके बालक हैं।

क्या यह तर्क पूर्ण नहीं रहा होगा कि एक स्त्री पैसठ वर्ष की जिसके साथ वह तब से रहा जब वह एक लड़की थी, बालक ना पा सकी? और जब वह सौ वर्ष की हो गई या नब्बे की और वह सौ का और अब भी कोई बालक नहीं। तर्क पूर्ण ना होगा कुछ महान डॉक्टर और वैज्ञानिक ने साराह की जांच की? कहा, "क्यों उसका गर्भ तो सूख गया। दूध की नदियां सूख गई है, चालीस वर्षों पहले, उसका ह्रदय इस आयु में प्रसव पीढ़ा नहीं सहन कर सकती।" क्यों केवल यही कारण है।

198 परन्तु अब्राहम ने इसे मना कर दिया। "वह परमेश्वर कि प्रतीज्ञा पर अविश्वास के द्वारा लड़खड़ाया नहीं तर्को के विरुद्ध, वह परमेश्वर कि प्रतिज्ञा पर लड़खड़ाया नहीं कोई मतलब नहीं यह क्या था। क्योंकि उसने—उसने परमेश्वर को हर चीज करने के योग्य जाना कि उसने कहा वह करेगा।"

199 अब आज प्रात: अब्राहम की संतान कहां है? आप सेवक गणो जो डरते हैं, आप अपनी रोटी पानी के लिए डरते हैं, सड़क पर यदि आप बाबुल को छोड़ते हैं, आपका विश्वास कहां है? दाऊद ने कहा, "एक समय मैं युवा था अब मैं बुढा हूं। मैंने कभी धर्मी को छोड़ा हुआ नहीं देखा या उसका वंश रोटी मांगे।" डरिए नहीं। मसीह के प्रति सच्चे बने रहे।

200 परन्तु अविश्वास तर्क को पकड़ेगा। यही जो उसने किया। अब आप समझ गए? अविश्वास कारण पर आधारित है, आज के दिन कि बाते, विश्वास यह नहीं करेगा।

201 विश्वास वचन को देखता है, परंतु विश्वास अपने आप को ना हिलने वाली चट्टान के ऊपर रखता है परमेश्वर के अनंत वचन पर। आमीन। विश्वास कारण को नहीं देखता। मैं चिंता नहीं करता आप कितना भी मुझे दिखा सकते हैं यह और अच्छा होगा। यदि वचन कहता है, "नहीं," विश्वास उसी पर टिकता है। यह विश्वास के मंदिर का विश्राम स्थल है।

202 मैं आप लूथरन से पूछना चाहता हूं, इस प्रात:, आप बैपटिस्टो और आप कैथोलिक और आप जो भी है, सारे संसार में आप नामधारी लोगों। कैसे आप अपना विश्वास अपने नामधारी पर रख सकते हैं, जबकि यह वचन के विरोध में है? आपके पास किस प्रकार का विश्वास है? आपके पास तर्क की सामर्थ है और विश्वास नहीं। "क्योंकि विश्वास सुनने से आता है," कलीसिया कीसंगठन सभा से? क्या कभी आप... कहा आप यह बूढी

महिला एलमेनक के जन्मदिन में पा सकते हैं, परंतु आप यह परमेश्वर के वचन में कभी नहीं पायेंगे।

203 "विश्वास सुनने से आता है, और सुनना परमेश्वर के वचन से।" आमीन। मुझे एक भी व्यक्ति बताये जो इसके विरोध में कुछ भी बोल सकता है, और कहे कि यह परमेश्वर का वचन है। जब, "स्वर्ग और पृथ्वी टल जाएंगे परंतु वह वचन नहीं टलेगा।"

204 विश्वास वचन को ढूंढता है, विश्राम का मंदिर, यह ठीक उसके ऊपर जो अनंत चट्टान है, यीशु मसीह वचन उस पर आता है, और वही टिक कर और विश्राम करता है। आंधियां चलने दो। तूफानों को हिलाने दो। वह सुरक्षित है, सदा के लिए, वह ठीक वहां वचन पर विश्राम करती है, यही जहां विश्वास, वास्तविक मसीही विश्वास विश्राम करता है। वचन विश्राम स्थल है, क्योंकि यह जानता है कि परमेश्वर कभी स्वयं को अपने शत्रुओं के ऊपर अति उत्तम प्रमाणित करेगा। कोई मतलब नहीं, यह कितना खराब दिखाई पड़ता है, और कैसे शत्रु अंदर आ गया, और कैसा ऐसा दिखाई पड़ता है कि आप हार गए, विश्वास अब भी जानता है।

205 अब, आप बीमार लोगो, मैं कैसे इसे घर में डाल दू! जब आप इस विश्वास को पकड़ते हैं कि आप चंगे होने जा रहे हैं, हर—हर परिस्थिति, हर चीज, सारे चिन्ह, सारे लक्षण संकेत कर रहे हैं कि आप मर रहे हैं, आप कभी नहीं हिलेंगे! यह विश्राम स्थल है, परमेश्वर के वचन के मंदिर में, जब विश्वास विशुद्ध विश्वास अपने आप को वहां बैठा लेता है। अब बनावटी विश्वास नहीं, विश्वास। आशा नहीं; परंतु विश्वास आशा *यहां* है, आशा कर रहे हैं, यह था, विश्वास अंदर आ चुका ढूंढ रहा है और कह रहा है, "यह हो चुका है।" समझे? यही विश्वास है। यही जहां विश्वास अपना विश्राम लेता है, क्योंकि यह जानता है परमेश्वर कभी नहीं कभी भी शत्रु को उसके ऊपर सवार नहीं होने देगा। उसने कभी नहीं, विश्वास यह जानता है, इसलिए, चाहे जो हो, चीज कैसी दिखाई पड़ती है।

नूह जानता था कि वह नाव तैरेगी। समझे? निश्चय ही यह हुआ।

दानियेल को मालूम था कि परमेश्वर सिंहो का मुंह बंद कर सकता है।

इब्री बालकों को मालूम था कि परमेश्वर आग को रोक सकता था।

206 यीशु को मालूम था कि परमेश्वर उसे फिर से जिला उठाएगा क्योंकि वचन ने कहा "मैं उसका प्राण अधोलोक में ना छोडूंगा ना ही, मैं अपने

पवित्र को सड़ने दूंगा।" वह जानता था सड़हाट बहत्तर घंटों में होती है। उसने कहा, "तीन दिनों में मैं फिर से जी उठूंगा।" समझे? इसने अपना अनंत विश्राम स्थल परमेश्वर के वचन के मंदिर में ले लिया और वहां वह खड़ा हुआ।

207 कारण इसे मान्यता देने का भरसक यत्न करेगा, "भाई, *इस* व्यवस्था को इससे अच्छा होना ही है। यही है *यह*।" यह अच्छा दिखाई पड़ता है, क्योंकि आप बुद्धिमानी के विचार से देख रहे हैं। आप तर्को को सिद्ध कर सकते हैं।

208 परन्तु आप विश्वास को सिद्ध नहीं कर सकते। क्योंकि यदि आप इसे सिद्ध कर सके तो फिर यह विश्वास नहीं रहा। परन्तु विश्वास केवल वचन को जानता है और प्रतीज्ञा को और यह उस चीज को देखता है जो आप नहीं देखते "विश्वास आशा कि हुई चीजों का निश्चय, अनदेखी चीजों का प्रमाण है।" आप तर्क नहीं कर सकते, मैं सिद्ध नहीं कर सकता कि यह कैसे किया जाएगा। मैं नहीं जानता कि यह कैसे होने जा रहा है, मैं यह नहीं जानता, परंतु मैं इसका विश्वास करता हूं। मैं जानता हूं कि यह ऐसे ही है, क्योंकि परमेश्वर ने ऐसा कहा है। यह तय हो गया।

209 यही कारण है कि मैं जानता हूं कि यह यही है। मैं जानता हूं कि वचन सही है मैं जानता हूं कि संदेश सही है, क्योंकि यह वचन में है। और मैं जीवित परमेश्वर को देखता हूं, परमेश्वर इसमें बीच में कार्यरत है कि सिद्ध करें। हम एक निर्गमन पर है, निश्चय ही सत्य है।

210 यहां तक कि मृत्यु भी विश्वास को नहीं हिला सकती, लोग मृत्यु में खड़े रहे... ठीक मृत्यु के सामने और पुनुरुत्थान की जीत में चिल्लाए। पौलुस, "ओह मृत्यु तेरा डंक कहां है? कब्र तेरी जय कहां है? " समझे? "क्योंकि मसीह जी उठा और वे जो मसीह में है, उसके साथ उसके आगमन में आ जाएंगे।" समझे? इसे बदल नहीं सकते। जी हां।

211 विश्वास परमेश्वर के वचन को अनंत विश्राम का मंदिर बनाता है। यह परमेश्वर के वचन में रखा है। ध्यान दे, फिर से।

212 अब, हमें थोड़ी अधिक देर हो गई है, लगभग पच्चीस मिनटो की यदि आप यदि आप बुरा ना माने [सभा "अमीन" कहती है।—सम्पा।] मैं—मैं इस टेप को चलाए रखना चाहता हूं, बस एक मिनट।

213 ध्यान दें, वह राजा, वह नया राजा जो आया, जो युसूफ को नहीं जानता था। उसकी पहली योजना क्या थी कि इस्राएल की सामर्थ को नाश करें? वह उनके बालकों से, यह ठीक बात है? [सभा "आमीन" कहती है—सम्पा।] उसने उनके बालकों को नाश करने का यत्न किया। अब, ध्यान से सुने, वही शैतान आज अधिकार के दूसरे रूप में, परमेश्वर के इकलौते पुत्र को नाश करने का यत्न किया। समझे? "पहले बालकों को खत्म करो, इसके पहले कि वे शुरू हो।" शैतान वास्तव में चालाक है, चतुर चिड़िया। वह जानता है कि चीजों पर कैसे प्रहार करें इसके पहले कि वह आरंभ हो वह यह जानता है। समझे?

214 और केवल वह चीज जो आप कभी कर सकते हैं कि उसे पछाड़े वास्तव में मसीह पर और अपने आप को नम्र करें और उसे आपकी अगुवाई करने दे। समझे? आप यह किसी और प्रकार से कभी भी नहीं कर पायेंगे। आपकी बुद्धि की सामर्थ इसे कभी नहीं कर पाएगी। आपको विश्वास करना ही है बस उस पर निर्भर करें। वह चरवाहा है। यह भेड़ का काम नहीं है कि भेड़िए को दूर रखें, यह चरवाहे का काम है, परंतु भेड को चरवाहे के साथ बने रहना चाहिए ताकी सुरक्षित रहे। यह मेरी सुरक्षा का स्थान है मसीह में; और मसीह वचन है, यही सुरक्षा का स्थान है।

215 ध्यान दे। शैतान रामसेस के—के रूप में, एक राजा पहली चीज जो उसने की कि बालकों से छुटकारा पाए, स्वाभाविक मृत्यु से। और जैसे ही परमेश्वर का पुत्र जन्मा था... वह मिस्त्र से चला क्योंकि परमेश्वर ने मिस्त्र को नष्ट कर दिया, इसे श्रापित किया। यह कभी भी वापस नहीं आया, तब से। तब वह रोम में था; शैतान ने अपना सिंहासन हटाया, अपना सिहासन रोम को। और पहली चीज जो रोम ने कि सब को नष्ट कर दे, कि ले ले निश्चित हो जाए; शैतान रोम की व्यवस्था में, से परमेश्वर के पुत्र को नष्ट करने का यत्न किया (क्या?) आरम्भ से ही। वहीं शैतान!

216 और, आज, उसने वही चीज की है, अब आत्मा के चिन्ह कि अधीनता में धार्मिक; कहलाने मसीहत और हमारी लड़कियों को ले रहे हैं और उनका विवाह कैथोलिक लड़कों के साथ और उनसे अपने कैथोलिक बालक जन्माते हैं कि दूसरी ओर कि सामर्थ को तोड़ दे। यहां आपके प्रेत है। वहां आपका शैतान सात पहाड़ों पर बैठा है, तीन ताजो को पहने, एक

चालाक के समान और चतुर तेज सर्प के समान बुद्धिमान; सर्प का वंश, उसके बालक, वही बुद्धिमानी पद्धतियों का उपयोग कर रहे हैं। देखिए।

217 तब वे बालको को मारते हैं, दूसरों दो समयो में, वे बालकों को किस से मारते हैं? दो बार। अब स्मरण रहे, उन दो पर ध्यान दें, और तब तीन। समझे? उसने बालको को पहले दो बार में मारा, स्वाभाविक मृत्यु से। और इस अंतिम बार वह बालकों को ले रहा है, और उन्हें आत्मिक मृत्यु से मार रहा है, शादियां अंतरजातीय विवाह।

218 क्या दानियेल ने यही बात नहीं कही, लोहे और मिट्टी के इस राज्य में, कि वे उन बीजों को मिला देंगे, दूसरे लोगों की सामर्थ को तोड़ने के लिए? और यही जो वे कर रहे हैं जब तक उस चीज को ना ले ले। उन्होंने राष्ट्रपति को अंदर कर दिया। अब अगली चीज जो आपको करनी है कि कार्डिनल को अंदर—अंदर लाए। सारे मंत्रिमंडल को अंदर, और तब आप क्या करने जा रहे हैं?

219 अगली चीज जो वे करते हैं, वे अपने पैसों को लेते हैं और—और संयुक्त राज्य के कर्जे को चुकता करते हैं, और इसे कलीसिया से उधार लेते हैं, और फिर, आप बिक गए। जी हां। अब, हम—हम आज जी रहे हैं, अपने विदेशी कर्जे का वहां भुगतान कर रहे हैं, उस कर के पैसों से जिसका भुगतान चालीस वर्षों तक नहीं हो पाएगा जो बीत गए। हमारे पास और पैसा नहीं है। परंतु कलीसिया के पास है, यह। क्या बाइबल नहीं कहती, "वह सोने से सजी हुई है? " और, ओह, प्रभु! परंतु आप...

220 यहां इसी प्रकार से करता है, देखिए आपकी बेटियों से विवाह, बेटियां आपके पुत्रों से, अपने बालकों को कैथोलिक में बड़ा करते हैं, बिल्कुल ठीक, उन्हें आत्मिक मृत्यु से मारते हैं। क्या बाइबल नहीं कहती कि, "कि वह उसे संसारिकता के पलंग पर डाल देगा और उसके बालकों को आत्मिक मृत्यु से मार डालेगा"? प्रकाशितवाक्य 17। समझे?

221 यह सदा वचन है। मैं चिंता नहीं करता आप कहां जाते हैं, यह अब भी वचन है, इसे चित्र में सही बैठना है। यदि यह नहीं, यह वचन नहीं है, यह वचन नहीं है। आप सारी बाइबल में से होकर नहीं निकल सकते हैं, तो फिर यह गलत है।

222 देखिए। इस समय के चलते, परमेश्वर अपने दास को अपने कार्य के लिए प्रशिक्षण दे रहा है, उनकी दृष्टि से दूर उसे शिक्षित कर रहा है, उनकी

योजनाओं से बाहर उनके कार्यक्रमों से, क्या आप यह समझ रहे हैं? उनकी संगठन की व्यवस्था से बाहर, परमेश्वर मनुष्य को अपने उद्देश्य के लिए प्रशिक्षण दे रहा है। वह बस इसे चलने दे रहा है। उसे विवाह करने दो, पत्नी बच्चे होने दे, बालक गर्शम। वह अच्छा सुंदर जीवन जी रहा है, वहां आशीषे मिल रही है। परंतु सारे समय, वहां उसे तैयार कर रहा है, प्रशिक्षण दे रहा है।

223 परमेश्वर और उसके शत्रु ने किया, स्वाभाविक में, तब जिस प्रकार परमेश्वर और उसका शत्रु अब आत्मिक में कर रहे हैं, वे उन्हें स्वाभाविक मृत्यु से मार रहे हैं; अब आत्मिक मृत्यु के साथ। समझे? परमेश्वर एक स्वाभाविक पुरुष को तैयार कर रहा है, उसका नबी कि मिस्त्र में जाए। और शैतान रामसेस को तैयार कर रहा है, उसका स्वाभाविक पुरुष देखिए, एक स्वाभाविक पुरुष तैयार है (क्या?) कि मार डाले या सारे मिस्त्रियो और इब्रानियो को एक साथ, उन्हें अब भी अपनी सेवा के लिए तैयार।

224 इसी कारण यह कठिन है कि बुद्धि के तर्क के विरुद्ध शिक्षा व्यवस्था जो अपनी बात को सिद्ध कर सकते हैं। समझे? यह ठीक बात है। उसकी बुद्धि सदा शिक्षा के लिए जाएगी। चतुर बुद्धि और तर्क के विचार इसे देख भी नहीं पाते।

225 क्या आपने सिसिल डी मिल कि *टेन कमांडमेंट* देखी है? मैं समझता हूं आप में से बहुतों ने देखी। मैं चलचित्र को देखने जाने में विश्वास नहीं करता, यह सारी चीज। परंतु मैंने कलीसिया को अनुमति दी, कि कोई, यदि उनके पास कुछ नहीं सिवाये इसके जिन्होंने इसे देखना चाहा, यह ठीक रहेगा, यदि वे इसे देखना चाहते हैं, क्योंकि, मैं नहीं चाहूंगा कि... पहले, मेरे कुछ बालक गए, वे आये मुझे बता रहे थे। मैं तो बहुत वर्षों से नहीं गया। अंतत:, मैं वहां गया जब यह इस गाड़ियो वाले में था, मैंने वहां ये देखा, मैंने देखा यह क्या था। तब मैंने कलीसिया से कहा, "यदि आप इसे देखना जाना चाहते हैं, यह ठीक है।" यह वहां था। यह बहुत ही अच्छी सुंदर थी।

226 कैसे वह शैतान कि चालाकी वह वहां पर कितना धूर्त था, कैसे वह—वह उन बालकों को मार डालने के लिए भीतर गया, और कैसे उस बुद्धिमान विचारों ने इसे लिया और इसका विश्वास किया, क्योंकि वे इसे देख सकते थे! यह तर्क पूर्ण था। ओह, कैसे परमेश्वर सारे समय इस भविष्यवक्ता

को प्रशिक्षित कर रहा था! और कैसे मिस्त्र इस रामसेस को राजनीति में प्रशिक्षित कर रहा था कि जीत लो! और तब एक दिन एक महान मुकाबला आ गया, उस बुद्धि और आत्मिक सामर्थ का। और रामसेस अपने सारे देवताओं के साथ, वहां पर खड़ा हुआ था, और नील के देवता को पानी उड़ेल कर धन्य कर रहा था। परमेश्वर ने उसे मारा और उससे लहू निकल कर आया। उसके पास था... ओह, मैं—मैंने सोचा, यह प्रहार कर रहा था, देखिए, क्या घटित हुआ। ओह!

227 अब ध्यान दें। बुद्धिमान सदा तर्क पर जाता है। और यह आत्मिक क्षेत्र को नहीं देख सकता, क्योंकि, यह बुद्धिमान है। ओह, ना ही किसी और समय में! वे इसे अब नहीं देख सकते।

228 वे इसे एलिय्याह के दिनों में नहीं देख सके। कैसे यह एक बूढ़ा फुलफुले चेहरे वाला भविष्यवक्ता...

परमेश्वर इस प्रकार की बात कहने के लिए मुझे क्षमा करें। परंतु मैं मैं चूक... और परमेश्वर जानता है, मैं इसे हास्य पद बनाने—बनाने की कोशिश कर रहा था, जैसा मैं कर सकता था ताकि आप इसे देख सके, परमेश्वर के आत्मा को।

229 जैसा पौलुस ने कहा, "मैं तुम्हारे पास लुभावने वचनों और बुद्धि के साथ कभी नहीं आया, क्योंकि तुम्हारे विचार बुद्धिमानी की ओर ना झुक जाए। परंतु मैं पवित्र आत्मा के सामर्थ के संग आया, ताकि तुम्हारा कि—तुम्हारा—तुम्हारा—तुम्हारी आशा और विश्वास टिकेगा ना कि मनुष्य की बुद्धिमानी पर, परन्तु यीशु मसीह की पुनरुत्थान की सामर्थ पर।"

230 इसी कारण, क्यो मैं इसे हास्य पद बना रहा था, उस महान धर्मी भविष्यवक्ता के कहलाने के द्वारा, "फुलफुले चेहरे के साथ।" क्योंकि, वह अजीब सी दिखने वाली चीज हो सकता था कि अच्छे वस्त्रों वाले याजक के बराबर में खड़ा हो और स्वयं को परमेश्वर का जन कहलाये।

231 उसे देखिए। आप याजक की पवित्रताई को देख सके बुद्धिमानी के विचार में। आप उसके सिर पर पगड़ी देख सके और चारों ओर... और उसकी छाती पर एपोद पड़ा हुआ *यहां*। आप अभिषेक के तेल को देख सके, स्वाभाविक उसकी दाढ़ी पर, लबादे नीचे के छोर पर नीचे की ओर बह रहा है। आप बलिदान की जलती हुई आग को देख सके, और सारे अनुष्ठान क्रम में। अब, यही जो स्वाभाविक विचार इसमें जाएगा।

232 यही जो वे आज इसे करने का यत्न कर रहे हैं, आंख, प्राण का द्वार, परंतु आप देखिए, आत्मिक आंख, पीछे उस आंख में!

233 उन्होंने इस बूढ़े फुलफुले सा दिखने वाले व्यक्ति को वहां खड़े देखा उसके सीने पर बाल; और एक बड़ा भेड़ की खाल का टुकड़ा, अपने चारों ओर लपेटे, एक कमर में बंधा हुआ, जो कि संभवत: नंगे पैरों के साथ, हाथों की छोटी लटकती हुई खाल *इस* प्रकार से; और एक सफेद दाढ़ी उसके चेहरे से लटकती हुई; और एक टेढ़ी सी छड़ी उसके हाथ में, वहां खड़ा हुआ है। परन्तु आत्मिक आंख वहां परमेश्वर की सामर्थ को कार्य करते देख सकती थी, क्योंकि यह बिल्कुल ठीक वचन के साथ है। ना कि जो बुद्धिमान देखता है; जो आत्मिक आंख देखती है!

234 और आज स्वाभाविक आंख एक मोहक कलीसिया को देखती है नगर के मेयर के साथ संगति या—या और जो इस नामधारी के संगठन। और वे पवित्र आत्मा के सामर्थ को देखने में असफल रहे, जब यह मृतको को जिलाता और बीमार को चंगा करता है। और—और—और कैसे... समझे? वे, वे देखते हैं और वे हॉलीवुड को देखते हैं और वे सड़क पर लोगों को देखते हैं

235 आज स्त्री सोचती है, "अच्छा, *यह* स्त्री, सूसी कलीसिया की है। उसने अपने बाल कटवा रखे हैं। वह श्रृंगार करती है। नगर में हर कोई उसे पसंद करता है।"

236 मुझे स्वर्ग के विषय में आश्चर्य है? समझे? जब यह वचन के विरोध में है, परमेश्वर इसका समर्थन नहीं कर सकता। वह, वह अपने ही विरोध में समर्थन कर रहा होगा। वह अपने ही वचन का इन्कार कर रहा होगा। और यह मालूम हो जाए, परमेश्वर इसे कभी नहीं करेगा, यदापि आकाश और पृथ्वी टल जाए। एक बाल कटी स्त्रिया परमेश्वर की दृष्टि में श्रापित है, या एक स्त्री जो पुरुष के कपड़े पहनती है। समझे? आत्मिक आंख इसे पकड़ती है; वे यहां के बाद जीवित रहते हैं। स्वाभाविक बुद्धि स्वाभाविक चीजों के आज के तर्क पर जीती है।

237 अब ध्यान दें परमेश्वर यह कर रहा है, और फिर भी लोगों को यह नहीं मालूम। सांसारिक बुद्धि तर्कों के साथ चल रही है। अब परमेश्वर एक आत्मिक निर्गमन के लिए बुला रहा है। कहां उसने अपने लोगों को

स्वाभाविक निर्गमन के लिए बुलाया, आज वह आत्मिक निर्गमन के लिए बुला रहा है (उसका क्या?) उसके चुने हुए केवल उसके चुने हुओ के लिए।

238 अब मिस्र इस्राएल को सही होते नहीं देख सका, यदपि मेमने के लहू के लगे हुए नहीं देख सका, दरवाजे पर और चौखट पर, और वे बातें जो घटित हो रही थी।

239 और वहां परमेश्वर इस नबी में कार्य कर रहा है, और एक पुरुष के वचन को ले रहा है। उसे वहां खड़ा होने दिया और एक—एक छड़ी जिस पर वह झुका हुआ और पूर्व कि ओर बढ़ाता है, और कहा, "मक्खियां आ जाए और मिस्त्रियो के ऊपर फूंका।" वहां वापस चला गया।

और हर किसी ने कहा, "कुछ नहीं हुआ। कुछ नहीं हुआ।"

240 परंतु थोड़ी ही देर के बाद एक पुरानी हरी मक्खी मंडराने लगी। थोड़ी देर के बाद वे सम्भवतः दो पोण्ड प्रति वर्ग गज के हिसाब से, उस मनुष्य ने बोला कि सृष्टि अस्तित्व में आ गई।

241 यहां एक बुद्धिमान रामसेस स वहां पर खड़ा हुआ था, वह विरोध में था; एक बहुत ही धार्मिक पुरुष और जीवते परमेश्वर के आत्मा के विरोध में। और स्वाभाविक बुद्धि केवल रामसेस स को देख सकती थी। परंतु आत्मिक बुद्धि ने प्रतिज्ञा को देखा और इसे घटित होते हुए देखा।

242 ठीक है, यदि यहोशु और कालेब उन अमालेकियो और हिब्बियो और यबूसी ऐसे कि जैसे वे वहां नहीं थे के लिए कहा, तब भी दुगने या तीन या चार गुना वे उनके आकार से थे। और स्वाभाविक बुद्धि, कादेश बर्निया पर जब भेद लेने वाले वहां गए, बोले, "आह, हम यह नहीं कर सकते। हम... वे, वे बहुत अधिक है। अच्छा, हम जैसे—जैसे हम टिड्डियो के समान है, उनके सामने।"

243 परन्तु कालेब और यहोशु ने परमेश्वर की प्रतिज्ञा को देखा, कहा, "हम इसे करने के अधिक योग्य है।" क्यों? वे देख रहे हैं थे। "परमेश्वर ने कहा है, 'यह देश मैं तुम्हें देता हूं।'" समझे? सांसारिक बुद्धि इसे नहीं समझती। आत्मिक बुद्धि इसे समझती है।

244 और क्यों? आप से कुछ पूछना चाहता हूं। मिस्त्री लोग यह चीजें क्यों नहीं देख पाए? क्योंकि वे चुने हुए नहीं थे। परमेश्वर ने अब्राहम को यह होने से पहले बता दिया था। समझे, इसे तुम सोती हुई कलीसिया! परमेश्वर

ने अब्राहम को इसे घटित होने से पहले बता दिया, "तेरा वंश मिस्र में—में परदेसी होकर रहेगा, चार सौ वर्षों के लिए और मैं उन्हें बाहर लेकर आऊंगा।" इसी कारण उन्होंने इसे देखा क्योंकि वे इसे देखने के लिए चुने हुए थे। उनका चुनाव। इस्राएल परमेश्वर का चिन्ह देखने के लिए चुना हुआ था, और वे मिस्त्र से बाहर आये, जहां अविश्वासी नष्ट हो गए।

245 और, आज, परमेश्वर अपने चुनो हुओ को बुला रहा है, अब्राहम के आत्मिक वंश, परमेश्वर के द्वारा जो उसका परमेश्वर के वचन में था। क्या आज आप आत्मिक वंश इसे नहीं देखते? [सभा "आमीन" कहती है—सम्पा।] बुद्धिमान कलीसिया इसे नहीं देखती। ये वचन देखती है। और यह उन बड़े नामधारियों में से बुलाए जा रहे हैं, कि यीशु मसीह की उपस्थिति में आये। आमीन। क्या यह स्पष्ट था? क्या आपने यह समझ लिया? ["आमीन।"] ठीक है, हम आगे बढ़ेंगे। केवल चुने हुए!

डॉक्टर डी. एल. पीएच., वे इसे कभी नहीं देखते। वे चुने हुए नहीं थे।

246 और स्मरण रहे, यह चुनाव अब आ रहा है, किसी और देश में जाने के लिए नहीं; यह महिमा में जा रहा है, जहां उनके नाम मेमने की जीवन की पुस्तक में लिखे हुए हैं। स्वाभाविक की अधीनता में नहीं छोटा पशु मेमना, जो इस्राएल को बाहर लाया, और वे वहां से पिछड़ सकते थे और वापस जाते, परंतु यह नहीं हो सकता। यह परमेश्वर के मेमने की अधीनता में, जो पृथ्वी की सृष्टि से पहले घात किया गया और उनके नाम मेमने की जीवन की पुस्तक में पृथ्वी के रचने से पहले लिखे गए। और वे वहां पर है, चुने हुए। और जब ज्योति उन पर चमकी, इस प्रकार से, उनके लिए नामधारियों की दीवार गिर पड़ी, और यहां वे आ गए, "उनके बीच से निकल आओ," कहा पवित्र आत्मा इन अंत के दिनों में। "उनकी अशुद्ध वस्तुओं को ना छुओ, मैं तुम्हारा परमेश्वर होऊंगा; तुम मेरे पुत्र और पुत्रियां होंगे।" अब, ध्यान दें।

247 इस्राएल देख रहा था। वे जानते थे कि परमेश्वर अपने नबियों के साथ व्यवहार करता है। वे... वचन उनके पास आया और वे इसे देखने को आये। और उन्होंने यह देखा।

248 और अब बुद्धिमानी का चिन्ह, अब हम इसे देखते हैं, कि वे अपने संगठनों पर विश्वास कर रहे हैं। वे अब भी अपने मतसारो में है। फिर भी वे...

249 जैसा कि बालम था, जो पहाड़ कि चोटी पर आया, जहां इस्राएल था, वहां इस्राएल था। ना कि एक राष्ट्र, यह बस एक लोग थे जो भटक रहे थे और दोषी थे। और मोआब उसका भाई, बुद्धिमान, मनुष्य का संगठन, पहाड़ कि चोटी पर बिशप के साथ याने कि भविष्यवक्ता जो उनका था, और एक वेदी तैयार की और वही बलिदान चढ़ाया। परंतु वह अग्नि स्तंभ को देखने में असफल रहा और इस्राएल के मध्य में मारी हुई चट्टान।

250 आज भी ऐसा ही है। बुद्धि के विचार वहां लोकप्रिय लोगों को वहां खड़े हुए देख रहे थे। वे मारी हुई चट्टान को देखने में असफल रहे। यहां तक कि स्वयं बिशप, पवित्र आत्मा की सामर्थ को देखने में असफल रहा, पड़ाव में राजा की चिल्लाहट, वे इसे देखने में अयोग्य रहे।

251 इसलिए, आज फिर से उसी प्रकार से है, परमेश्वर अपने चुने हुए लोगों को बुला रहा है, और वे अब चुने हुए हैं। और वे अब किसलिए चुने हुए हैं? पुनरुत्थान के लिए। और वह उन्हें किस प्रकार के चिन्ह दिखा रहा है? पुनरुत्थान का चिन्ह।

252 तब वह उन्हें क्या दिखा रहा था? एक छुटकारे का चिन्ह, कि उन्हें बंधुआई से छुड़ाए, शक्ति का एक चिन्ह जो आकाश को बंद कर सकता था या आकाश को अंधियारा कर सकता था।

253 और अब वह अपने पुत्र कि पुनुरुत्थान की सामर्थ को दिखा रहा है उनके बीच में, कि उनका पुनरुत्थान इस कब्र और कब्रिस्तान में से कर दे, जिसमें हम हैं उस देश के लिए जिसकी उसने हमसे प्रतिज्ञा की है। पुनरुत्थान का चिन्ह, आत्मिक मिस्त्र और आत्मिक बाबुल में से बाहर बुला रहा है, जानते हुए।

254 अब मैं इसे शांति के साथ कह दू, कि आप इसे पकड़ लेंगे उसी व्यवस्था के द्वारा कर रहा है, जो उसने आरंभ में किया वही चीज, वह कर रहा है। अविश्वासीयों आंखों को अंधा कर रहा है, विश्वासी की आंख को खोल रहा है। और ध्यान दें, राजनीति इसे बुद्धिमानी की ओर कर रही है, राजनीति और कलीसिया, राजनीति और राष्ट्र, हर चीज; और दूसरी ओर का उनसे छिपा हुआ है, एक आत्मिक कारण।

255 परमेश्वर ने एक पुरुष को जंगल में लिया, उसे प्रशिक्षण दिया। और उसे वापस ले आया और उन चीजों को लिया और लोगों को बाहर लाया, देखिए मेरा क्या अर्थ है? वह अपनी योजना को नहीं बदल सकता। वह

परमेश्वर है। वह कभी भी झुंड के साथ व्यवहार नहीं करेगा। उसने कभी नहीं किया वह एक व्यक्तिगत से व्यवहार करता है; और उसने किया और वह करेगा, और उसने प्रतिज्ञा दी है, यहां तक की मलाकी चार में, वह यह करेगा, यह ठीक बात है इसलिए यहां उसकी प्रतिज्ञा है, वह क्या था; प्रतिज्ञा कि जो उसने कहा कि वह करेगा, और हम यहां पर हैं। क्या ही लोग, आनंदित, हमें होना चाहिए; उन्हें चिन्ह दिया जा रहा है उसकी प्रतिज्ञा के द्वारा वचन का चिन्ह, प्रतिज्ञा का वचन, उसने प्रतिज्ञा दी है कि वह यह करेगा और वे... "लोगों के विश्वास को वापस फेरेगा, लोगों के ह्रदय वापस मूल पेंटीकोस्टल पूर्वजों के विश्वास पर।" उसने यह करने की प्रतिज्ञा दी है, अपने चिन्हो को दिखा रहा है।

256 "और जैसा यह सादोम के दिनों में था, ऐसा ही यह मनुष्य के पुत्र के आने के दिनों में होगा।" किस प्रकार के चिन्ह कलीसियाओ ने सादोम में देखें? बुद्धिमान कलीसिया ने क्या देखा? दो प्रचारकों को। आत्मिक कलीसिया ने क्या किया चुनी हुई, अब्राहम और उसका झुंड? परमेश्वर को शारीरिक देह में प्रगट होते हुए देखा, मनुष्य की देह, जो आत्मा को परख सकता था और बताता है उसके पीछे साराह क्या कह रही थी। "जैसा की यह लूत के दिनों में था, इसी प्रकार यह मनुष्य के पुत्र के आने के दिनों में होगा।" हम पवित्र आत्मा को अपने बीच में देखते हैं, उन्हीं चीजों को कर रहा है, मनुष्य की देह में कार्य कर रहा है। यही घड़ी है। समझे? मित्रों हम बस यही है, कुल मिला कर, एक निर्गमन चल रहा है।

257 परंतु अब ध्यान दें, उसने यह तब किस के द्वारा किया? ध्यान दें और इसे अपने आत्मिक विचारों में ले। होने पाए पवित्र आत्मा उदासीनता की पुरानी टोपी को अब पीछे रख दे, और ध्यान से देखे। परमेश्वर ने कभी किसी चीज को करने का निर्णय लिया, एक ओर से वह इसे कभी नहीं बदल सकता।

258 अदन वाटिका में जब वह मनुष्य को वापस छुड़ा कर संगति में लाना चाहता था, उसने एक निर्णय लिया: यह लहू था। उन्होंने शिक्षा से कोशिश की, उन्होंने नामधारी से कोशिश कर ली ये राष्ट्रीयकरण से कोशिश कर चुके और हर चीज और इसने कभी भी काम नहीं किया। केवल एक ही स्थान है, जहां परमेश्वर मनुष्य के साथ मिलेगा, वह बहाए हुए लहू के नीचे, जैसा यह अदन वाटिका में था। यह कभी नहीं बदला केवल स्थान जहां

परमेश्वर मिलता है, अय्यूब के दिनों में वह बलिदान किए गए मेमने की अधीनता में। केवल स्थान जहां वह इस्राएल के दिनों में मिला, बलिदान किए गए मेमने के नीचे; जैसा उसने अदन वाटिका में किया, मेमने के बलिदान के नीचे।

259 आज केवल एक ही स्थान के नीचे मिलता है, यह नामधारियो में नहीं है, वे विवाद और एक दूसरे से लड़ते हैं। कलीसिया वादी में नहीं; वे अब भी वही चीज करते हैं। बुद्धिमानियो में नहीं; वे सब मिलजुल गए हैं। परंतु मेमने के लहू के नीचे, हर विश्वासी संगति में मिल सकता है, जहां जीवन है।

260 परमेश्वर ने निर्गमन के दिनों में चुना, उसने एक झुंड को बाहर बुलाया। और उस झुंड में से, मैं चाहता हूं कि आप किसी चीज पर ध्यान दें, उसे केवल दो मिले जो प्रतिज्ञा के देश में गए। उन्हें बाहर निकालने के लिए उसने क्या चुना राजनीति, संगठन? उसने नबी को चुना, अग्नि स्तंभ के अलौकिक चिन्ह के साथ कि लोग गलती नहीं करेंगे। जो भविष्यवक्ता ने कहा सत्य था। और परमेश्वर अग्नि स्तंभ में नीचे उतर आया अपने आप को प्रमाणित किया, अपना वचन दिखाया। यह ठीक बात है? [सभा "आमीन" कहती है—सम्पा।] यही जो वह लाया, उसका पहला निर्गमन। उसका दूसरा निर्गमन...

261 परमेश्वर सदा तीन में जाता है। वह तीन में सिद्ध है। आप मेरे प्रचार पर ध्यान दें, ये सदा तीन और सात में है। ऊह–हूं। *सात* "पूर्ण" है। *तीन* उसकी "सिद्धता" है। पहला, दूसरा और तीसरा खींचाव। और, ओह, सब, हर चीज। समझे? न्यायोचित, पवित्रीकरण, बपतिस्मा पवित्र आत्मा का। पिता, पुत्र पवित्र आत्मा... हर चीज! समझे? ध्यान दें।

262 उसने क्या किया पहले निर्गमन में? उसने एक भविष्यवक्ता भेजा, अग्नि स्तम्भ के अभीषेक में और उसने लोगों को बाहर बुला लिया। यह उसका पहला निर्गमन था।

263 और जब इस्राएल का समय पूरा हुआ, उसने फिर से एक परमेश्वर भविष्यवक्ता भेजा अग्नि स्तंभ के साथ, युहन्ना ने इसे स्वर्ग से पंडुकी के समान उतरते देखा। और उसने कहा, "मैं परमेश्वर के पास जाता हूं और मैं परमेश्वर के पास वापस।"

264 उसकी मृत्यु, गाडे जाने और जी उठने के बाद, तारसुस का शाऊल दमिश्क के मार्ग पर था, तो उसी अग्नि स्तंभ को देखा। और वह एक इब्रानी

होने के नाते, वचन की अच्छी शिक्षा पाई थी, कहा, "प्रभु तू कौन है? " वह जान गया कि यह प्रभु है, वह अग्नि का स्तंभ। वह एक इब्री था। कहा, "तू कौन है? "

और उसने कहा, "मैं यीशु हूं।"

265 दूसरा निर्गमन, वह एक अभिषिक्त भविष्यवक्ता को लेकर आया, जो कि उसका पुत्र था, परमेश्वर भविष्यवक्ता। मूसा ने कहा वह एक भविष्यवक्ता होगा; और एक अग्नि संबंध था, और चिन्ह और आश्चर्यकर्म किए। और उसी भविष्यवक्ता ने कहा कि, "जो कोई मुझमें विश्वास करता है, वे काम जो मैं करता हूं वह भी करेगा।"

266 और यहां उसने उसी बात कि प्रतिज्ञा की है निर्गमन में अंत के दिनों में और इसे बदल नहीं सकता। और वैज्ञानिक प्रमाणों के द्वारा, आत्मा की गवाही के द्वारा, आत्मा के कामों के द्वारा, आज हम यह देखते हैं, कि महान अग्नि स्तंभ हमारे मध्य में कार्य कर रहा है; और चिन्ह और आश्चर्यकर्म यीशु मसीह के पुनुरुत्थान के, लोगों को नामधारीवाद में से बुला रहा है यीशु मसीह कि उपस्थिति में कि देश में जाते हुए जीवित रहे। मित्रों, इसमें कोई गलती नहीं है, यह वह नहीं जो मैं कह रहा हूं, मैं तो बस आपका भाई हूं, परन्तु यह वह जो परमेश्वरा आप पर सिद्ध कर रहा है, जो इसे सत्य बनाता है। वही अग्नि स्तंभ उसने दूसरी दो के लिए प्रयोग किया और आज वह इसे आपके बीच में लाया है और इसे वैज्ञानिक रीति से प्रमाणित किया है। जैसा कि आप जानते हैं *लाईफ* पत्रिका ने इसे पिछले महीने छापा है वहां। जहां...

267 कितने यहां पर थे और मुझे इस विषय में बताते सुना है, क्या घटित हुआ, इसके पहले इतने यह किया, लगभग हर एक के लिए कलीसिया में।

268 ये यहां है। वे नहीं जानते यह सब किस विषय में है; वैज्ञानिक कोशिश कर रहे हैं, किसी के पास इसका चित्र है बुलाया हुआ, "एक बादल 26 मील ऊंचा, पिरामिड के आकार में।" सात दूत उसमें चित्रित है, वापस लाये और आपके पास परमेश्वर का वचन प्रेरणा में लेकर आये, यह उन समयो को बताते हैं जिसमें कि आप आ रहे हैं और जीवित है। आत्मिक समझ उसे इस समय समझ जाएगी, देखिए, और इसे लेती है। यह एक निर्गमन है। हम इन्हीं किन्ही दिनों में छोड़ने जा रहे हैं। परमेश्वर का धन्यवाद हो। स्मरण रहे।

और मैं एक मिनट में बंद कर दूंगा। मेरे पास दस मिनट है।

269 ध्यान दे अग्नि स्तम्भ जिसमें उन्हें बाहर बुलाया, और प्रतिज्ञा के देश के लिए उनकी अगुवाई की, एक भविष्यवक्ता के अभिषेक में। एक अग्नि स्तम्भ जिसकी ओर वे देख सकते थे, प्रतिज्ञा के देश के लिए अगुवाई की, अभिषिक्त भविष्यवक्ता की अधीनता में। और वे बराबर उसे अस्वीकार करते रहे। यह ठीक बात है? [सभा "आमीन" कहती है।—सम्पा।] निश्चय ही।

270 अब, मैं जानता हूं कि हमारी बपतिस्मे कि सभा है। मेरे पास लगभग छ: पन्ने और बचे हैं, मैं समझता हूं। परन्तु अब मैं बंद करने जा रहा हूं, बस एक मिनट में।

271 इस पर ध्यान दें। हम एक बुलाहट में है, "'बाबुल से बाहर निकलो मेरे लोगों,' स्वर्गदूत की आवाज ने कहा," किस से बाहर? भ्रम से। क्या मैथोडिस्ट सही है या बैपटिस्ट या कैथोलिक? "इस से बाहर आ जाओ।" परमेश्वर सही है। आप कैसे जानते हैं? "हर मनुष्य का वचन झूठा और मेरा सच्चा। इससे बाहर आ जाओ।" आप क्या जानते हैं? वही अग्नि स्तंभ वही आत्मा का अभिषेक, प्रतिज्ञा के देश की ओर ले जा रहा है।

272 ध्यान दें, उनकी अगुवाई की, उन्हें बाहर ले कर आया प्रतिज्ञा के देश की ओर उनकी अगुवाई की; इस्राएल, एक राष्ट्र।

273 और वही परमेश्वर, वही अग्नि स्तंभ! केवल उसने... "वे कहते हैं कि... वह वह कैमरा... " जब आप जॉर्ज, जे लेसी को पढ़ते हैं; अब मुझे नहीं, आप पढ़ते हैं जहां जोर्ज जे लेसी ने उस चित्र की जांच की एफ बी आई, का अध्यक्ष; ऊँगली की छाप और दस्तावेजों का वहां उसका कथन है। "उनमें से कुछ कहते हैं, 'एक लेंस पर दो बार प्रकाश पड़ा।'" दसियों हजार लोगों ने इसे देख लिया अपनी आंखों से। हमने वहां खड़े होकर इसे देखा। आपने इसे देखा [सभा "आमीन" कहती है।—सम्पा।] यह नहीं। "उन्होंने कहा, 'यह दृष्टि का भ्रम है।'" श्री लेंसी ने क्या कहा? "कैमरे की यांत्रिकी आंख मनोविज्ञान को नहीं लेगी।" ऊह–हूं! यह दृष्टि भ्रम नहीं था। यह वहां पर है, वही अग्नि स्तंभ।

तब वे कहते हैं, "ओह, अच्छा, ये भ्रम था।"

अब, कैमरे, सारे ट्यूसान के सैकड़ों मिलो!

274 यहां छ: महीनों पहले हुआ, हमने आपको पवित्र आत्मा के द्वारा बताया, मैं वहां समाचार एकत्र करने जा रहा होऊंगा। क्योंकि पिरामिड का लेख

बाहर था, जैसा कि भाई ने स्वप्न देखा था और मैंने आपके लिए इसका अनुवाद किया था। वही कुल मिला कर अनुवाद था। अब, न्यायोचित पवित्रीकरण, का पवित्र आत्मा का बपतिस्मे के भेद, स्पष्ट कर दिए गए हैं। अब इसकी अनसुलझी बातों को ले रहे हैं, जो कि सात मोहरो में छिपी थी, ना कि सात कलीसियाओ में। सात मोहरे भेदों को प्रगट करती है। और फिर उसने इस बात को ऊपर खोल दिया, और वहां पर एक पत्थर को पाया, सफेद, परंतु इस पर कभी नहीं लिखा गया था। यह एक भेद था।

275 ट्यूसान जाओ; इस से पहले कि घटित हो पहले से बताओ। ट्यूसान के उत्तर की ओर खड़े हो, यहां इसके साथ गवाह खड़े हैं, जब धमाका हुआ, जिसने पहाड़ को लगभग जड़ से ही हिला दिया। और उस समय में, उजियाले का एक चक्र वहां हवा में था, जब विज्ञान ने इसका चित्र लिया अब। "छब्बीस मील ऊंचा," कोहरे के दूरी से लगभग पांच गुना या कुछ भी हो सकता। और वे यह भी नहीं ढूंढ पाए इसने क्या किया।

276 "सांझ के समय के लगभग उजियाला होगा।" महिमा का मार्ग आप निश्चय ही पायेंगे, यदि आप चुने हुए हैं। वह बीज सूखी भूमि पर गिरता है, पत्थरों पर, यह कभी कुछ नहीं करेगा; कठोर, पत्थर के ह्रदय, जो तटस्थ होना चाहते हैं। परंतु यदि यह मुलायम भूमि पर गिरेगा, विश्वास की दयालु भूमि, यह एक मसीही को लेकर आयेगा, जिसमें आत्मा के फल होंगे।

277 ध्यान दे परमेश्वर ने यह कैसे किया, अब उसके पास वही अग्नि स्तंभ है। जो प्रमाणित हुआ।

किसी ने कहा, "क्यों नहीं तुम जा कर वैज्ञानिकों को बता देते हो इस विषय में?"

278 आप सोचते हैं, वे इसका विश्वास करेंगे? "अपने मोती सूअरों के आगे मत डालो," यीशु ने कहा, नहीं। यह करने की मुझे अगुवाई नहीं, जब की ठीक उसी नगर में था जहां वे इसके लिए बुला रहे थे। मैंने सोचा मैं जाऊंगा। पवित्र आत्मा ने कहा, "अलग रहो, यह उनके लिए नहीं है, वापस जाकर आराधनालय में बताओ।" ठीक है।

279 "और यह घटित होगा, यदि, जो वे कहते हैं घटित होता है, तब स्मरण रखे मैं बोल चुका हूं," प्रभु कहता है, "देखिए, इसके पहले यह घटित हो।" यह होता है। बाइबल की सुनिए, परमेश्वर की आवाज इस दिन में आपको बुला रही है।

280 अब मैं चाहता हूं कि आप ध्यान दें, वही अग्निस्तंभ लोगों को फिर से अगुवाई कर रहा है उस प्रतिज्ञा के देश के लिए, सहस्त्रशताब्दी। जहां हम प्रेरणा की अधीनता में पाते हैं, इस छठवीं मोहर का, यह इससे पहले कभी नहीं सिखाया गया कि पृथ्वी को सहस्त्रशताब्दी के लिए कैसे शुद्ध किया जाए। अग्नि स्तंभ उनकी सहस्त्रशताब्दी में अगुवाई कर रहा है।

281 और अग्नि स्तंभ पर ध्यान दें जिसने इस्राएल की बधुवाई से की निर्गमन में; अग्निस्तंभ, परमेश्वर कि अगुवाई में... परमेश्वर आग था और अग्नि स्तम्भ ने केवल भविष्यवक्ता का अभिषेक किया। अग्नि स्तंभ वहां स्वर्गीय गवाह के समान खड़ा था कि मूसा बुलाया गया था।

282 आपको दातान आदि स्मरण है, कहा, "हम एक संगठन आरंभ करना चाहते हैं, मूसा तू अपने पर बहुत कुछ लेता है। तू यह कहने का यत्न कर रहा है कि केवल तू ही हमारे मध्य में पवित्र है। प्रभु की सारी मंडली पवित्र है; कैसे तू यह अपने पर ले सकता है? "

283 तब मूसा मुंह के बल गिरा और रोने लगा, परमेश्वर ने कहा, "अपने आप को उससे अलग कर, मैं बस धरती खोलुंगा और उसे निगल जाऊंगा।" प्रकार। कैसे... मूसा ने उन्हें बताया कि वह उन्हें बता रहा था कि परमेश्वर ने क्या कहा परमेश्वर ने इसे सत्य होने को प्रमाणित किया।

284 यहां तक कि मरियम स्वयं में नबी और हारून मूसा पर हंसे उस इथोपियन लड़की से विवाह करने पर उसका उपहास उड़ाया, और परमेश्वर क्रोधित हो गया; उसके दास के विरुद्ध बोल रहे हैं। उसने क्या किया? उसने उन्हें तंबू के द्वार पर बुलाया और मरियम फिर भी वह एक भविष्यवक्तनी थी, परन्तु मूसा भविष्यवक्ता से अधिक था, भविष्यवक्ता से बड़ा। उसने कहा, "क्या तुम में परमेश्वर का भय नहीं? यदि तुम्हारे मध्य में कोई भविष्यवक्ता है, मैं प्रभु उससे दर्शन में बातें करूंगा, और अपने आप को उस पर स्वप्न में प्रगट करूंगा, परन्तु," कहा, "मूसा नहीं," कहा, "क्या तुम परमेश्वर का भय नहीं मानते? " और वह—वह कोढ से अधमरी हो गई, उसी समय। आप यह जानते हैं।

285 क्या उसने नहीं कहा, "युहन्ना बप्तिस्मा देने वाला। क्या तुम भविष्यवक्ता को देखने को गए थे? हां भविष्यवक्ता से बड़े को"? क्यों? क्यों वह एक भविष्यवक्ता से अधिक बड़ा है? वह वाचा का संदेशवाहक था वह वाचा का संदूक जो उन दोनों विधानो को आपस में जोड़ता है।

286 और आज, वह... हमारे मध्य में क्या है यह महान पवित्र आत्मा जो भविष्यवक्ता से बड़ा है। यह परमेश्वर का प्रगटीकरण हमारे मध्य में अपने वचन के साथ कि इसे सिद्ध करें, भविष्यवक्ता से अधिक करता है, जो भविष्यवक्ता करता है, उससे हजार गुना अधिक।

287 एलिय्याह, युग का एक महानतम भविष्यवक्ता, केवल चार अलौकिक चीजें की अपने सारे जीवन में अस्सी कुछ वर्ष का। और एलीशा, दुगने भाग के साथ, ने आठ किए।

288 और हम हजार गुना हजार अपनी आंखों से, प्रभु के स्वर्गदूत को देखते हैं, अग्नि स्तंभ में। वैज्ञानिक खोज इसे संसार में ले गई, यह जानते हुए कि उनका न्याय इसके द्वारा होने जा रहा है। उस मेमने ने क्या किया कि प्रभु का स्वर्गदूत, जो कि मसीहा था? आप इसका विश्वास करते हैं? [सभा "आमीन" कहती है—सम्पा।]

289 संत युहन्ना छठवे। सारे इस जल को पी रहे थे और एक महान समय और आनंदित। उसने कहा, "मैं जीवन की रोटी हूं, जो परमेश्वर के पास आई है स्वर्ग से। मैं वह चट्टान हूं, जो जंगल में थी।"

290 उन्होंने कहा, "अब हम जान गए हैं कि तू पागल है। तू—तू पागल । है तुझ पर शैतान है, तू एक पागल मनुष्य है, एक शैतान के साथ।" आप जानते हैं लोगों पर आत्मा होती है कभी–कभी वे बहुत ही सक्रिय होते हैं धर्मी। उन्होंने कहा, "तू—तू एक शैतान है। तेरे ऊपर शैतान है। तू एक सामरी है, और तेरे पर शैतान है।" कहा, "और यहां, तू यहां कि पचास वर्ष से अधिक का नहीं है और तू कहता है 'तूने अब्राहम को देखा है'? "

291 मैं देख सकता हूं कि वह कुछ कदम पीछे हटा, बोला, "मैं वह जो मैं हूं इसके पहले अब्राहम था मैं हूं," यह एक जलती आग थी, वह झाड़ी में अग्नि स्तंभ।

292 जब वह मरा, तीसरे दिन जी उठा और शाऊल ने उससे मार्ग में भेंट की, वह वापस अग्नि स्तंभ में था। कहा, "मैं परमेश्वर से आया हूं, और मैं परमेश्वर के पास जाता हूं।"

293 जब पतरस जेल में था, वह अग्नि स्तंभ अंदर आया दरवाजे खोल दिए और उसे बाहर ले गया। यह ठीक बात है।

उस अग्निस्तम्भ ने उनकी अगुवाई किधर की?

294 अब याद रखें, मूसा अग्निस्तम्भ नहीं था। वह तो अभिषिक्त अगुवा, अग्निस्तंभ की अधीनता में था, अग्निस्तंभ केवल उसके संदेश को चिन्ह और आश्चर्यकर्मों से प्रमाणित कर रहा था।

295 और अग्निस्तंभ उनकी अगुवाई करके परमेश्वर के प्रतिज्ञा के देश में ले गया, जहां वह स्वयं उनके बीच में देहधारी हो कर आयेगा किसी दिन, यह ठीक बात है? [सभा "आमीन" कहती है—सम्पा।] उन्होंने क्या किया? बुडबुडाना, छटपटाना और सारी बातें यह दिखाने के लिए कि यह साधारण मेमने के लहू के नीचे थे।

296 परंतु इस बार (परमेश्वर की महिमा) वह स्तंभ हम अपने बीच में देखते हैं, अग्नि स्तंभ हमें हमें सहस्त्रशताब्दी में ले जाएगा, जहां वह अपने लोगों में उस महान सहस्त्रशताब्दी के राज्य में वापस आयेगा इस निर्गमन के बाद, जहां हम उसके साथ अनंतता में वास करेंगे। उसके पास सदा पिता का वचन था, सदा सिद्ध हुआ कि यह सही है।

297 हम एक निर्गमन में हैं, और छोड़ रहे हैं, और एक क्षण में टेपो को बंद कर रहे हैं। ओह, मेरे मित्रों, मेरे भाइयों दोनों जो उपस्थित है और जो इन टेपों को सुनेंगे, मुझे... आपके भाई और परमेश्वर के राज्य के नागरिक के सामान, इस निर्गमन के लिए बाहर आ जाओ, क्योंकि वे सब जो पीछे छूट गए वे पशु कि छाप को लेंगे। बाबुल से बाहर आ जाओ। इस भ्रम में से बाहर आ जाओ। इस व्यवस्था से बाहर आ जाओ और जीवित परमेश्वर कि सेवा करो। होने पाए...

298 वाचा का यह महान स्वर्ग दूत! "यीशु मसीह परमेश्वर के रूप में, इसे डकैती ना सोचे, परंतु परमेश्वर के साथ बराबर हो गया।" अब वह अग्नि स्तंभ है, उसी रूप में जिसमें वह पहले था, उस पहले निर्गमन को लाया, दूसरे निर्गमन को ला रहा है और यहां यह तीसरे के साथ है।

299 पहला निर्गमन, उसने क्या किया? वह उन्हें स्वाभाविक देश से निकाल लाया, स्वाभाविक देश में।

300 दूसरा निर्गमन, वह उन्हें आत्मिक स्थिति से बाहर ले आया, पवित्र आत्मा के आत्मिक बपतिस्मे में।

301 अब वह उन्हें पवित्र आत्मा के आत्मिक बपतिस्मे से, सीधा वापस सहस्त्रशताब्दी के अनंत देश में ला रहा है और उस महान के पश्चात। वही अग्नि स्तंभ, उसी अभिषेक कि व्यवस्था के द्वारा, वही परमेश्वर उन्हीं चीजों

को कर रहा है! और वहीं वचन, पहले की घोषणा करता है, दूसरे वाले की घोषणा करता है, वहीं वचन दूसरे वाले की घोषणा करता है, तीसरे वाले की कर दी है और इसे हम अपने बीच में देखते हैं।

302 बाहर आ जाओ, ओह! इस गड़बड़ी से बाहर आ जाओ, जीवित परमेश्वर के पास आ जाओ, वचन पर आ जाओ। "और वचन देहधारी हुआ और हमारे मध्य में निवास किया।" और अब वह हमारी देह में है, हमारे बीच में रहता है, बाहर आ जाओ और जीवित परमेश्वर की सेवा करो।

303 जबकि हमने अपने सिरों को झुकाए हुए हैं। [एक भाई अन्य भाषा में बोलता है, दूसरा भाई अनुवाद देता है—सम्पा।]

304 अपने झुके हुए सिरों के साथ। अपने प्राण की गहराईयो में अपनी सारी गहराईयो जो आप में है, क्या आप इच्छा करते हैं कि स्मरण किया जाए... आप संसार कि सारी बातें रोकने को तैयार है और परमेश्वर के लिए जिए? अब यदि आपका यह अर्थ नहीं है, आप यहा ना करें। परंतु यदि आपका यही अर्थ है अपने पूरे ह्रदय से कि अब आप स्वीकार करते हैं। जैसा यीशु ने कहा अपनी सेवकाई के अंत में, "क्या तुम अब विश्वास करते हो? " क्या आपने विश्वास कर लिया कि यह बातें सही है, परमेश्वर द्वारा प्रमाणित और कि हम अंत के समय में है और आप सच में अब मसीह के पास आना चाहते हैं? इस निर्गमन में आ जाए, तटस्थ कहलाने वाले से बाहर नामधारी वाद से, विचार और संसार कि चीजों और आप पूरे ह्रदय से उसे स्मरण समर्पण करना चाहते हैं, और निकलकर निर्गमन में आ जाए, उस धन्य प्रतिज्ञा के देश में, क्या आप अपने हाथों को उठायेंगे, जबकी हम प्रार्थना करते हैं? क्या आप वास्तव में निश्चित है कि आप बाहर आना चाहते हैं, हर कोई?

305 स्वर्गीय पिता, वे जिन्होंने अपने हाथ आये हुए हैं, प्रभु, अब आप उन्हें बाहर आने दे, होने पाए पवित्र आत्मा, प्रतिज्ञा के वचन पर हो, पवित्र आत्मा इनके ह्रदय में हलचल करें। हमारी भक्त मंडली से बाहर, वहां लगभग बीस हाथ है, पिता मैं समझता हूं यह संतुष्ट करता है और जानते हैं कि यही है यह सत्य है और ये बाहर आना चाहते हैं। यदि वहां था...

306 इस्राएल के बाहर आने के दिनों में साढ़े बीस लाख लोगों में से केवल दो ही देश में पहुंच पाए।

307 यीशु मसीह के दिनों में, वहां लगभग एक सौ बीस ही कर पाए।

308 और अब इस संसार के अंत के दिनों में, आप ने कहा, "सीधा है वह द्वार और सकरा है, वह मार्ग और थोड़े से ही इसे पायेंगे। परंतु चौडा है, वह मार्ग जो विनाश को पहुंचाता है, और बहुत से उसमें प्रवेश करेंगे।" ये शब्द असफल नहीं हो सकते। ये आपके हैं।

309 अब मैं इनके लिए प्रार्थना करता हूं, प्रभु। मैं प्रार्थना करता हूं कि आप इस घड़ी में अपने पवित्र आत्मा के द्वारा इनके ह्रदयो का खतना करेंगे, संसार कि सारी चीजें बाहर कर दे। इनके कानों का खतना करें, ताकि ये परमेश्वर की स्पष्ट आवाज को सुन सके, जो अपने वचन में से होकर बुला रहा है, और दिन के उजियाले में होकर। और प्रभु, प्रदान करे कि इनकी आंखें खुल जाएगी और ये परमेश्वर की महिमा को देख सके, इस अंतिम समाप्त होने वाली घड़ी में। आपने कहा, "वह सब जो पिता मुझ में मुझे दिया है, मेरे पास आयेगा, और मैं उन्हें अंतिम दिन में जिला उठाऊंगा।"

310 प्रभु, हो सकता है, यहां बहुत से हो जो अब भी ना समझ पाए हो। मैं प्रार्थना करता हूं कि आप उन से व्यवहार करेंगे, और उन्हें एक और सौभाग्य दे, प्रभु, ताकि वे इसे समझने के योग्य हो सके, आपको आपके वचन में से सुनते हुए, अपने आप को सिद्ध कर रहे हैं; और फिर हम से अलौकिक आवाज में बोलते हैं और फिर अनुवाद के साथ कि आपके महान कार्यों को देखें, और सत्य प्रमाणित करें बाइबल के अनुसार। मैं प्रार्थना करता हूं परमेश्वर कि आप हमें हमारे पापों को क्षमा करेंगे, अब, और जैसा कि मैं स्वयं को इस वचन पर रखता हूं।

311 परमेश्वर, मैं सोच रहा हूं कि एक ही सप्ताह पहले, मैं—मैंने अपने आपको फर्श पर मरे हुए मनुष्य के ऊपर डाला यहां। मैंने देखा उस महान पवित्र आत्मा ने उसे जीवन में वापस ला दिया। उसकी आंखें वापस उसके सिर के अंदर चली गई थी मरा हुआ पड़ा था। बस थोड़े से, थोड़े से शब्दों में आपके नाम को पुकारा, मैंने उसे जीवित देखा, और आज वह यहां अब भी जीवित है। प्रभु आप एक से परमेश्वर है जो, जब पौलुस ने अपने आप को उस लड़के पर डाला, जो उसे बहुत देर से प्रचार करते हुए सुन रहा था, वह पुरुष जो खिड़की पर से गिर पड़ा। आप वही परमेश्वर है जो जीवन को वापस ला सकता है, पिता हम आपको धन्यवाद देते हैं। होने पाए... अविश्वासी, विश्वास ना कर पाए। परंतु हम विश्वास करते हैं, प्रभु, तूने अपने आपको हम पर प्रमाणित किया है।

312 अब मेरे हृदय का चिंतन और मेरे मस्तिष्क के विचार, मेरी शक्ति और सब, इस वचन में पिघल जाए, और वचन। और मैं एक साथ हो जाए, प्रभु लोगों के साथ, परमेश्वर के राज्य की ओर आगे बढ़ते जाए, प्रभु इसे प्रदान करें। हमारे पापों को क्षमा कर दे। हमारी बीमारियों को चंगा कर दे, और अपने राज्य के लोग बना ले।

313 और अब, जैसा कि ये लोग आ रहे हैं, प्रभु और तालाब खुला हुआ है, जल तैयार है और कुछ ही मिनटों में बपतिस्मे आरंभ होंगे, हम याद करते हैं जब यही सुसमाचार प्रचार किया गया था, बाइबल कहती है, "जितनो ने विश्वास किया बपतिस्मा लिया था।"

314 यहां पर रुमाल रखे हुए हैं, प्रभु, जिन्हें मैं यीशु मसीह के नाम में आशीषित करता हूं, बीमारो की चंगाई के लिए। तब जब...

315 हमारी सेवाएं लंबी है, देर घंटो तक चलती है, हमें वचन डालना चाहिए जबकी भूमि तैयार है, बो दो, क्योंकि ठंडी जाड़े आ रहे हैं। हम ये देखते हैं। पत्तियां गिर रही है और हम जानते हैं कि शीतकाल पास में ही है। हमें सतह खोदनी चाहिए, और बीज गाड दे। इसलिए, मैं प्रार्थना करता हूं, स्वर्गीय पिता, कि आप प्रत्येक हृदय से बात करेंगे।

316 और बाइबल ने कहा, "जितनो ने विश्वास किया, बपतिस्मा लिया।" और प्रभु अब यदि यहां बहुत से है, जिन्होंने विश्वास कर लिया और अभी तक बपतिस्मा नहीं लिया, तेरे प्रिय बालक यीशु के नाम में, होने पाए, वे इस सुबह में आये प्रेम और नम्रता में, और अपने पापों को स्वीकार करते हुए और संसार की चीजों के लिए मरते हुए; कि गाड़े जाए, कि यीशु मसीह के नाम को ले ले; इसके पश्चात भक्ति पूर्ण जीवन व्यतीत करें, पवित्र आत्मा के सहायता के द्वारा। हम इन्हें आपको समर्पित करते हैं, अब प्रभु इस उद्देश्य से यीशु मसीह के नाम में। आमीन।

317 अब हम सेवा भाई नवीन को देते हैं और जो कुछ भी उनके पास है कहने को, जब कि बपतिस्मे की सेवा के लिए तैयार हो रहे है।

318 और आज रात्रि साढ़े सात बजे प्रभु ने चाहा, मैं इस दूसरे संदेश को टेप करना चाहता हूं। परमेश्वर तब तक आपको आशीष दे।

तीसरा निर्गमन HIN63–0630M

(The Third Exodus)

यह सन्देश भाई विलियम मेरियन ब्रंहम के द्वारा मूल रूप से इंग्लिश में रविवार सुबह, 30 जून, 1963 को ब्रन्हम टेबरनेकल, जेफरसनविले, इंडियाना, यु.एस.ए में प्रचारित किया गया। इसे चुम्बकीय टेप रिकॉर्डिंग से लिया गया है, और इंग्लिश में विस्तृत छापा गया है। इस हिंदी अनुवाद को वोईस ऑफ गॉड रिकॉर्डिंग के द्वारा छापा गया और बाँटा गया है।

HINDI

©2019 VGR, ALL RIGHTS RESERVED

VOICE OF GOD RECORDINGS, INDIA OFFICE
19 (NEW NO: 28) SHENOY ROAD, NUNGAMBAKKAM
CHENNAI 600 034, INDIA
044 28274560 • 044 28251791
india@vgroffice.org

VOICE OF GOD RECORDINGS
P.O. BOX 950, JEFFERSONVILLE, INDIANA 47131 U.S.A.
www.branham.org

कोपी राईट सूचना

सारे अधिकार सुरक्षित है। यह पुस्तक व्यक्तिगत प्रयोग या मुफ्त में देने और एक औजार के समान यीशु मसीह का सुसमाचार फैलाने के लिये
घर के प्रिंटर पर छाप सकते हैं।

इस पुस्तक को बेचना, अधिक मात्रा में फिर से छापना, वेब साईट पर डालना, दुबारा छापने के लिये सुरक्षित रखना, दूसरी भाषाओं में अनुवाद करना या धन प्राप्ति के लिये निवेदन करना निषेध है। जब तक की वायस ऑफ गोड रिकार्डिंग कि लिखित अनुमति प्राप्त ना कर ली जाये।

अधिक जानकारी या दूसरी उपलब्ध सामग्री के लिये कृपया संपर्क करें:

वायस ऑफ गोड रिकार्डिंग्स

पोस्ट बोक्स 950 जैफरसन विले, इन्डियाना 47131 यू. एस. ए.

www.branham.org